RNI : PBHIN/25/A4135

सत्ता संदेश साप्ताहिक

सम्पादक : जितेंद्र कुमार Website : www.sattasandesh.com YouTube : @sattasandesh25

The Power of Print...

मेरा दिमाग थोड़ा सा टेढ़ा है....6 | वर्ष :1 | अंक : 3 | 15 दिसंबर : 2025 | मूल्य रु 5:00 | पृष्ठ : 8 | Email : sattasandesh25@ gmail.com | कोलकाता में प्रशंसकों ने मचाया उत्पात....8

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मो. हम्मदी को गिरफ्तार किया

तेहरान –ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार कर लिया है। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी है।

मोहम्मदी के नाम पर स्थापित एक संस्था ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें राजधानी ते. हरान से लगभग 680 किलोम. ीटर उत्तर–पूर्व में स्थित मशहद में उस समय हिरासत में लिया गया था जब वह एक मानवाधिकार वकील की शो. कसभा में भाग लेने गई थीं।

एयरलाइन में गड़बड़ियों पर एक्सपर्ट नजर, इंडिगो ने शुरू की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन

नई दिल्ली –व्यापक परिच. ालन संकट का सामना करने वाली एयरलाइन इंडिगो के निदेशक मंडल ने इन व्यवधानों के मूल कारणों का पता लगाने के लिए शुक्रवार को एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ की नियुक्ति की घोषणा की।

विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि चीफ एविएशन एडवाइजर्स एलएलसी परिचालन में आए व्यवधान और इसके लिए जिम्मेदार कारकों की स्वतंत्र विशेषज्ञ समीक्षा एवं आकलन करेगी। इसका नेतृत्व अनुभवी विमानन विशेषज्ञ कैप्टन जॉन इल्सन कर रहे हैं।

अब कैप्टन व नवजोत कौर आमने–सामने

मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ वाले बयान के बाद सिद्धू ने सुरक्षा भी मांगी

चंडीगढ़ – ''मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपये वाली टिप्पणी के बाद कांग्रेस से निलंबित की गईं नवजोत कौर सिद्धू ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।

नवजोत कौर की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के समक्ष उठाए गए मुद्दों पर मुख्यमंत्री की ''चुप्पी को लेकर भी सवाल उठाया और मान पर ''शराब एवं खनन माफिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

नवजोत कौर कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं। ''मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपयेश वाली टिप्पणी के बाद पंजाब कांग्रेस ने कौर को निलंबित कर दिया था।

शुक्रवार रात को सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''मुख्यमंत्री भगवंत मान जी मुझे लगता है कि अब मुझे कुछ सुरक्षा की जरूरत है, वरना आप जिम्मेदार होंगे। कृपया बताएं कि पंजाब के माननीय राज्यपाल के समक्ष उठाए गए मेरे मुद्दों पर आपकी ओर से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई? आप शराब और खनन माफिया को क्यों बढ़ावा दे रहे हैं?

इसके साथ ही उन्हा. `ने उस ज्ञापन की एक प्रति भी साझा की जिसमें उन्होंने पंजाब के राज्यपाल के साथ अपनी हालिया बैठक में उठाए गए मुद्दों का जिक्र किया था। इसमें कौर ने भगवंत मान सरकार पर ''भूमि घोटाले का आरोप लगाया था।

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

नवजोत कौर ने मुख्यमंत्री मान से मांगी सुरक्षा

पंजाब के मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपये वाली टिप्पणी के बाद कांग्रेस से निलंबित की गईं नवजोत कौर सिद्धू ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।

उन्होंने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के समक्ष उठाए गए मुद्दों पर मुख्यमंत्री की चुप्पी को लेकर सवाल भी उठाया और मान पर शराब एवं खनन माफिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

सिडनी शूटआउटः त्यौहार मना रहे यहूदियों पर आतंकी हमला

सिडनी– सिडनी के बॉन्डी बीच पर रविवार शाम भारी गोलीबारी की खबर सामने आई है. खबरों के मुताबिक बीच पर 2000 लोगों की मौजूदगी के बीच ये हमला हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि बहुत से लोग जख्मी हुए हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि बड़ी संख्या में पुलिस गाड़ियां इलाके में पहुंचीं और सैकड़ों लोग डर के मारे समुद्र तट से भागते नजर आए. बॉन्डी इलाके के लोगों का कहना है कि उन्होंने करीब 50 गोलियों की आवाज सुनी और कैंपबेल परेड के पास कई लोगों को जमीन पर गिरा हुआ देखा. सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की खबर के मुताबिक पुलिस ने बताया कि हमलावरों में से एक व्यक्ति को पुलिस ने गोली मार दी है, जबकि दूसरे संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने लोगों से इलाके से दूर रहने की अपील की है और जो लोग मौके पर मौजूद हैं, उन्हें सुरक्षित जगह पर छिपने की सलाह दी गई है.

जापान के उत्तरपूर्वी हिस्से में 6.7 तीव्रता का भूकंप

सुनामी की चेतावनी

जापान– जापान में आए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद शुक्रवार को सुनामी की चेता. वनी जारी की गई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए ने बताया कि भूकंप जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तरी इलाके में स्थित आआ. `मोरी में तट के पास पूर्वाह्न 11 बजकर 44 मिनट पर आया। एजेंसी ने यह भी बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 20 किलोमीटर की गहराई में था। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि होकाइदो, आओमोरी, इवाते और मियागी में प्रशांत महासागर तट पर एक मीटर (3.2 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें उठ सकती हैं।

ट्रंप के युद्धविराम दावे की निकली हवा

थाईलैंड–कंबोडिया जंग जारी, खतरे में शांति समझौता

बैंकॉक– थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर शनिवार सुबह भी लड़ाई जारी रही। ऐसा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए घोषणा की कि उन्होंने दोनों देशों से युद्धविराम के लिए सहमति प्राप्त कर ली है। थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा है कि वे युद्धविराम के लिए सहमत नहीं हैं, और कंबोडिया ने ट्रंप के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने शनिवार सुबह हवाई हमले किए। कंबोडियाई मीडिया ने ट्रंप के दावे को बिना विस्तार से बताए प्रकाशित किया। सात दिसंबर को हुई एक झड़प के बाद से बड़े पैमाने पर लड़ाई शुरू हुई। इस झड़प में थाईलैंड के दो सैनिक घायल हो गए।

इसने क्षेत्रीय विवादों के कारण जुलाई में पांच दिन तक चले संघर्ष को खत्म करने के

लिए ट्रंप की पहल पर हुए युद्धविराम को पटरी से उतार दिया। जुलाई में हुए युद्धविराम में मलेशिया ने मध्यस्थता की थी और ट्रंप के दबाव के चलते इसे लागू करवाया गया था। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर थाईलैंड और कंबोडिया सहमत नहीं हुए तो वे व्यापारिक विशेषाधिकार रोक देंगे। अक. टूबर में मलेशिया में हुई एक क्षेत्रीय बैठक में इसे और अधिक विस्तार से औपचारिक रूप दिया गया, जिसमें ट्रंप भी उप. स्थित थे। पिछले सप्ताह हुई लड़ाई में आधिकारिक तौर पर लगभग दो दर्जन लोग मारे गए थे, जबकि सीमा के दोनों ओर लाखों लोग विस्थापित हो गए हैं।

केरल तिरुवनतंपुरम निगम चुनाव में एनडीए की शानदार जीत

नयी दिल्ली – केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नगर निकाय चुनाव में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की। एनडीए ने माकपा नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को शिकस्त देकर निगम पर लगातार 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत कर दिया। विश्लेषकों का मानना है कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में मिली जीत से 2026 के विधानसभा चुनाव में विशेष रूप से राज्य की राजधानी में भाजपा की संभावनाओं को काफी बल मिलेगा। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 में, एलडीएफ को 29 में, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ)को 19 में और दो निर्दलीय को जीत मिली है।

पुतिन–एर्दोगन कर रहे थे मीटिंग, तभी रूस ने तुर्की के जहाज पर कर दिया हमला

नई दिल्ली – एक तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोगन की मुलाकात चल रही थी, वहीं दूसरी तरफ काला सागर में जो हुआ, वो इस असाधारण रिश्ते पर बट्टा लगाने वाला था. रूस ने अपने समुद्री हमलों को और तेज करते हुए यूक्रेन के दो अहम बंदरगाहोंचोर्नोमोर्स्क और ओडेसा पर ड्रोन और मिसाइलों से एक साथ हमला किया. इस हमले में तुर्की के तीन व्यापारिक जहाजों को भी नुकसान पहुंचा. इनमें से एक जहाज सेंक टी, खाने का सामान ले जा रहा था. हमले के बाद इसमें भी आग लग गई. सबसे अहम थी इस हमले

की टाइमिंग क्योंकि तुर्की के जहाज काला सागर में उस वक्त जलने लगे, जब रूस–यूक्रेन ने कुछ ही घंटे पहले बात की थी. इस वार्ता में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ऊर्जा और बंदरगाह पर सीमित संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा था. ऐसे में इस हमले को कूटनीतिक प्रयासों को धक्का पहुंचाने वाला माना जा रहा है. रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस हमले पर तत्काल कोई बयान नहीं दिया.

रुस–यूक्रेन के युद्ध में क्यों घिरा तुर्की?

दरअसल यूक्रेन ने रूस के शैडो फ्लीट तेल टैंकरों को अपने सी ड्रोन हमलों के जरिये निशाना बनाया है. लगातार हो रही इस कोशिश के बाद पुतिन ने यूक्रेनी हमलों का बदला लेने की बात कही थी. हालांकि काला सागर में हो रही इन गतिविधियों में तुर्की फंस गया था क्योंकि उसके जहाज यहीं से होकर जाते हैं. रूस–तुर्की के बीच बातचीत के मुद्दों में ये शामिल था. दोनों राष्ट्रपतियों के संघर्षविराम प्रस्ताव के तुरंत बाद हमला होना, उसकी मध्यस्थ भूमिका को झटका देता है. आपको बता दें कि रूस–यूक्रेन युद्ध में तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभाता है.

टैरिफ के खिलाफ कई अमेरिकी सांसद

कहा– भारत से 50 प्रतिशत टैरिफ समाप्त करें ट्रंप

न्यूयार्क– भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में कड़ी आला. `चना का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका की संसद में इस फैसले के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसमें भारत पर लगाया गया 50 प्रतिशत टैरिफ हटाने की मांग की गई है। आइये इसे विस्तार से जानते हैं।

अमेरिकी संसद में पेश हुआ प्रस्ताव

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति के साथ सांसद डेबोरा रॉस और सांसद मार्क वेसी ने मिलकर अमेरिकी संसद के निचले सदन में यह संकल्प पत्र पेश किया है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा घोषित राष्ट्रीय आपातकाल को खत्म किया जाना चाहिए, जिसके आधार पर भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है।

टैरिफ को बताया अवैध और खतरनाक

अमेरिकी सांसदों का कहना है कि भारत पर लगाया गया यह टैरिफ न केवल गलत है, बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक है। उनका मानना है कि इस तरह का फैसला कानून के दायरे से बाहर है और इससे अमेरिका को आर्थिक नुकसान हो सकता है।

पहले ब्राजील के मामले में भी उठी थी आवाज

इससे पहले जब ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था, तब भी अमेरिकी संसद में इसी तरह का प्रस्ताव लाया गया था। ट्रंप ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आ. र्थक शक्तियां अधिनियम के तहत राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करते हुए भारत पर पहले से लागू 25 प्रतिशत टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। यह फैसला 27 अगस्त से लागू हुआ था।

सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत के खिलाफ राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति गैर–जिम्मेदाराना है। इससे अमेरिका और भारत के बीच की मजबूत और अहम साझेदारी को नुकसान पहुंच रहा है। उनका कहना है कि दोनों देशों के रिश्तों पर इसका बुरा असर पड़ सकता है।

टैरिफ हटाने से क्या होगा फायदा

अमेरिकी सांसदों का मानना है कि अगर भारत पर लगाया गया 50 प्रतिशत टैरिफ हटा लिया जाता है, तो अमेरिका और भारत के बीच आर्थिक, सुरक्षा और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत हा. `गे और दोनों को फायदा मिलेगा।

टैरिफ से अमेरिका को ही नुकसान

राजा कृष्णमूर्ति ने आगे बताया कि इस फैसले से अमे. रिकी हितों को फायदा नहीं, बल्कि नुकसान हो रहा है। टैरिफ की वजह से सप्लाई चेन प्रभावित हो रही है, अमे. रिकी कर्मचारियों की नौकरियों पर असर पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं को महंगे दामों पर सामान खरीदना पड़ रहा है।

कैंसर मरीजों के लिए खुशखबरी! आ गई गंभीर बीमारी को शरीर से खत्म करने वाली वैक्सीन

नई दिल्ली – कैंसर जो शरीर के किसी भी हिस्से में हो जिंदगी के लिए एक गंभीर खतरा बन जाता है। अब तक इसका पारंपरिक इलाज मुख्य रूप से कीमोथेरेपी और रेडिएशन से किया जाता रहा है जिनके साइड इफेक्ट्स (दुष्प्रभाव) काफी हानिकारक होते हैं लेकिन अब वैज्ञानिक एक ऐसा क्रांतिकारी तरीका खोज रहे हैं जिससे शरीर के अपने इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) को ही कैंसर से लड़ने के लिए ट्रेन किया जा सके।

कैंसर वैक्सीन का आधार है जो ठीक उसी तकनीक पर काम करती है जिस पर COVID-19 वैक्सीन बनी थी।

2026 में विधानसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी करेंगे तमिलनाडु का दौरा, किसानों के साथ मनाएंगे पोंगल

नई दिल्ली– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं। राज्य भाजपा सूत्रों के मुताबिक, वे 13 से 15 जनवरी तक तीन दिन के दौरे पर तमिलनाडु जाएंगे और किसानों के साथ पोंगल उत्सव मनाएंगे। यह पहली बार होगा जब पीएम मोदी तमिलनाडु में किसानों के साथ पारंपरिक फसल उत्सव में शामिल हा. `गे। यह दौरा पार्टी के लिए ग्रामीण वोटरों तक पहुंच बनाने और तमिल संस्कृति से जुड़ाव दिखाने की बड़ी को.

शिश माना जा रहा है। भा. जपा नेता इसे चुनावी तैयारी का अहम हिस्सा बता रहे हैं।

तमिलनाडु भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि यह दौरा खास तौर पर पोंगल के इर्द–गिर्द प्लान किया जा रहा है। पीएम मोदी किसानों के साथ उत्सव मनाकर ग्रामीण इलाकों में पार्टी की पकड़ मजबूत करना चाहते हैं।

एक वरिष्ठ भा. जपा नेता ने कहा, ष्चुनाव नजदीक आने पर किसानों के साथ पोंगल मनाना एक मजबूत राजनीतिक और सांस्कृतिक संदेश देगा। पार्टी का मानना है कि इससे कृषि मुद्दों पर फोकस दिखेगा और तमिल परंपराओं से जुड़ाव मजबूत होगा।

अब कैप्टन व नवजोत कौर आमने–सामने

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

पूर्व मुख्यमंत्री ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि सिद्धू को क्रिकेट कमेंट्री पर ध्यान देना चाहिए जिसमें वह माहिर हैं और यह भी कहा था कि ''राजनीति उनके स्वभाव में नहीं है। कौर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, ''कैप्टन अमरिंदर सिंह आपको इतने सारे सवालों के जवाब देने हैं जो मेरे 100 ट्वीट में समाहित नहीं हो पाएंगे। चलिए, उन फाइलों से शुरुआत करते हैं जिन्हें आप नवजोत सिद्धू से बंद करवाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया थाय सिटी सेंटर केस फाइल, प्रतिबंधित शिवालिक पर्वतमाला के आ. सपास भू–माफियाओं की जमीनों का पंजीकरण।

उन्होंने सवाल किया, ''कैप्टन अमरिंदर सिंह, मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि आपने नवजोत सिद्धू की उन फाइलों को क्यों नहीं मंजूरी दी जो पंजाब के विकास के लिए इतनी महत्वपूर्ण थीं? खनन नीति, शराब नीति, यात्रा और चिकित्सा पर्यटन, अमृतसर गा. ंडोला परियोजना, कचरा निपटान परियोजना, राष्ट्रीय स्थलों पर निविदाएं लगाकर स्थानीय निकायों में होने वाली हेराफेरी रोकना, फिल्म सिटी परियोजनाएं, जल क्रीड़ा परियोजनाएं, रणजीत एवेन्यू में खेल पार्क, पंजाब के लिए पाक कला विश्वविद्यालय।

सिंह ने कांग्रेस की राज्य इकाई में हुए विवाद के बाद सितंबर 2021 में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बनने के बाद सिंह ने पार्टी छोड़ दी थी और एक नयी पार्टी बनाई जिसका 2022 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय हो गया।

भाजपा उत्तर प्रदेश के नए चौधरी बने पंकज, आज संभाल लेंगे अपना कार्यभार

लखनऊः केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री और महाराजगंज से सातवीं बार लोकसभा के सदस्य पंकज चौधरी भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। शनिवार को उनके खिलाफ किसी अध्यक्ष पद पर किसी ने भी नामांकन नहीं किया था।

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष पंकज चौधरी के नाम की घोषणा केंद्रीय चुनाव अधिकारी पीयूष गोयल ने रविवार को की।

मुख्यमंत्री मान ने कसा तंज– राहुल और सिद्धू शीर्ष पद चाहते हैं, पर लोग उनसे पहले कुछ करके दिखाने के लिए कह रहे

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ही नेता शीर्ष पदों की चाह रखते हैं, लेकिन लोग उनसे पहले कुछ करके दिखाने को कहते हैं।

मान ने कहा कि जब सिद्धू पंजाब में कांग्रेस सरकार में मंत्री थे, तब अगर उन्होंने अपने विभागों की जिम्मेदारी संभाली होती तो वे जनता के कल्याण के लिए कुछ कर सकते थे। मान ने दावा किया कि राहुल गांधी और नवजोत सिंह सिद्धू की एक ही समस्या है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं, मुझे प्रधानमंत्री बनाओ, मैं जनता के लिए कुछ करूंगा। लोग उनसे कहते हैं, पहले कुछ करो, फिर हम तुम्हें प्रधानमंत्री बनाएंगे। मान ने दोनों नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सिद्धू के साथ भी यही हाल है।

वह कहते हैं कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो, मैं पंजाब के लिए कुछ करूंगा। लोग उनसे पंजाब के लिए कुछ करने को कहते हैं, इसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाएंगे। कुछ दिन पहले सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने कहा था कि अगर कांग्रेस पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित

करती है, तो उनके पति सक्रिय राजनीति में लौट आएंगे।

नवजोत कौर ने कहा था कि उनके (नवजोत सिंह सिद्धू के) पास किसी भी पार्टी को देने के लिए पैसा नहीं है लेकिन वे पंजाब को "स्वर्णिम राज्य" में बदल सकते हैं। मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए उनके '500 करोड़ रुपयेश वाले बयान ने राजनी. तिक विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके बाद पंजाब कांग्रेस ने उन्हें निलंबित कर दिया था। कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष सिद्धू पिछले कई महीनों से पार्टी के कार्यक्रमों और गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में भी प्रचार नहीं किया था।

मान ने सिद्धू दंपति के ईमानदार होने के दावे पर टिप्पणी करने के लिए पूछे जाने पर कहा कि वे (मान) ईमानदारी का प्रमाण पत्र देने वाले कोई व्यक्ति नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा हालांकि उन्हें ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला है, जो उनके (सिद्धू दंपति) भ्रष्टाचार को दर्शाता हो। उन्होंने कहा कि नहीं तो मैं इसे अब तक सार्वजनिक कर चुका होता।

जिला परिषद, पंचायत समिति चुनाव के लिए मतदान शुरू, 9,000 से अधिक उम्मीदवार मैदान में

चंडीगढ़ – पंजाब में रविवार सुबह जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया है। इन चुनावों में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत झोंकी है। निर्दलीय उम्मीदवारों सहित कुल 9,000 से अधिक प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। पंजाब में रविवार को जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव में सुबह 10 बजे तक आठ प्रतिशत मतदान हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मतदान सुबह आठ बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुआ और यह शाम चार बजे तक जारी रहेगा। मतों की गिनती 17 दि. संबर को होगी। राज्य में 22 जिला परिषदों के 347 जोन और 153 पंचायत समितियों के 2,838 जोन के सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान जारी है। कुल 9,000 से अधिक उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। कुल 1.36 करोड़ मतदाता वोट डालने के पात्र हैं और मतदान शाम चार बजे तक जारी रहेगा।

ठंडी हवाओं ने पंजाब–हरियाणा में बढ़ाई कंपकंपी, हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट जारी

चंडीगढ़ – पंजाब एवं हरियाणा में ठिठुरन बनी हुई है जबकि हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी के आसार हैं। पंजाब एवं हरियाणा दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम था।

मौसम विभाग ने बताया कि पंजाब के अमृतसर में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है जबकि लुधियाना में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस, पटियाला में 6.9 डिग्री सेल्सियस, पठानकोट में 6.6 डिग्री सेल्सियस और बठिंडा में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रहा।

विभाग ने बताया कि फरी. दकोट और गुरदासपुर में

न्यूनतम तापमान क्रमशरू 5.2 डिग्री सेल्सियस और 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसने बताया कि हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 8. 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि हिसार में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री रहा।

इसी तरह करनाल में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि नारनौल में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग ने बताया कि रो. हतक में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस, भिवानी में 8. 5 डिग्री सेल्सियस और सिरसा में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने वाले एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण सप्ताहांत में हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और लाहौल एवं स्पीति के ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि हिमाचल के अन्य नौ जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। लाहौल और चंबा के ऊंचे इलाकों में 17, 18 और 19 दिसंबर को बहुत हल्की बर्फबारी होने की भी संभावना है।

पंजाब में गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी, माहौल तनावपूर्ण, मौके पर पहुंची पुलिस

फिरोजपुर – पंजाब में एक बार फिर गुरुद्वारा में बेअदबी की घटना सामने आ रही है। खबर है कि गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की कोशिश की गई है जिससे सिख संगत में काफी रोष देखा जा रहा है।

मिली जानकारी के मुता. बिक पंजाब के जिला फिरो. जपुर के गांव जीविया में एक गुरुद्वारा साहिब में एक युवक ने बेअदबी की कोशिश की है जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया है। लोगों ने बताया कि युवक ने नशे की हालत में गुरु ग्रंथ साहिब जी के स्वरूप को नीचे फैंकने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि युवक गोलक से पैसे निकालने के इरादे से अंदर दाखिल हुआ था। वहीं आरोपी को मौके पर मौजूद संगत और गांव के लोगों ने काबू कर लिया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पंजाब के युवक की विदेश में हार्ट अटैक से मौत, परिवार में मचा कोहराम

सुल्तानपुर लोधी। विदेश से आए दिन पंजाब के युवकों की मौत की खबर सामने आती रहती है। ऐसे ही एक खबर सामने आ रही है। खबर है कि पंजाब के युवक की विदेश में मौत हो गई है।

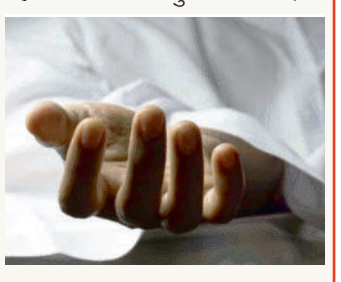

मिली जानकारी के मुताबिक पंजाब के युवक की स्पेन में हार्ट अटैक से मौत हो गई है। मृतक युवक की पहचान चरणजीत मेसेन के रूप में हुई है जो रोजी रोटी कमाने के लिए स्पेन गया था लेकिन वहां हार्ट अटैक आने से उसकी मौत हो गई। वहीं चरणजीत पंजाब के सुल्तानपुर लोधी का रहने वाला बताया जा रहा है। मृतक स्पेन में दिहाड़ी मजदूरी करके अपनी पत्नी और दो साल के बेटे समेत अपने परिवार का पालन–पोषण करता था और भारत में अपनी विधवा मां आशा रानी को भी पैसे भेजता था। वहीं बेटे की मौत की जानकारी घर में मातम छा गया है। इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है और मां का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। इसके साथ ही शहर के लोग बड़ी संख्या में उनके घर शोक जताने पहुंच रहे हैं।

नौजवानों को खेलों के साथ जोड़ रही है मान सरकार

3000 खेल के मैदान का वादा हो रहा साकार

चंडीगढ़ – पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार ने विकास की एक नई इबारत लिखना शुरू कर दिया है। राज्य भर में 3000 स्टेडियम और खेल के मैदान बनाने की महत्वाकांक्षी योजना अब धरातल पर दिखने लगी है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि केवल एक हलके 'जीरा' में ही 15–16 खेल के मैदान एक साथ बनाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में स्थानीय लोग इस अभूतपूर्व विकास कार्य की जानकारी दे रहे हैं और मान सरकार की भूरि–भूरि प्रशंसा कर रहे है। यह पहल साबित करती है कि भगवंत मान की सरकार अपने हर वादे को न केवल पूरा कर रही है, बल्कि उम्मीदों से कहीं आगे जा रही

है।

जीरा हलके से सामने आए वीडियो में एक स्थानीय व्यक्ति बता रहे हैं कि उनके क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार मजदूर और मशीनें काम में जुटी हुई है। 15–16 गांवों में एक साथ खेल के मैदानों का निर्माण चल रहा है और यह काम बिना किसी रुकावट के जारी है। उन्होंने कहा कि दशकों से गांवों में इस तरह का विकास कार्य कभी नहीं देखा गया। मान सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरी ईमानदारी और तेजी से पूरा किया जा रहा है। वीडियो में दिख रहे निर्माण स्थल पर जेसीबी मशीनें, ट्रैक्टर और दर्जनों मजदूर एक साथ काम करते हुए नजर आ रहे है।

मान सरकार की इस पहल को 'विकास का नया मॉडल' करार दिया जा रहा है। पहले की सरकारों में एक–दो मैदान बनाने में भी सालों लग जाते थे, लेकिन मान सरकार ने एक ही हलके में 15–16 मैदानों का निर्माण एक साथ शुरू करके यह साबित कर दिया है कि जब इच्छाशक्ति और ईमानदारी हो तो विकास की रफ्तार कितनी तेज हो सकती है। यह केवल खेल के मैदान नहीं बल्कि पंजाब के युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान का विजन स्पष्ट है – हर गांव, हर युवा को बराबर का मौका मिले।

मात खा गया चीन, नाक के नीचे से समुद्र में छिपा सीक्रेट निकाल ले गया अमेरिका

न्यूयार्क– अमेरिकी सेना ने एशिया के दो बेहद संवे. दनशील इलाकों में समुद्र में गिरे अपने अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया है. एक तरफ दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्र तट के पास क्रैश हुआ डफ–9 रीपर ड्रोन रिकवर कर लिया गया है, तो दूसरी ओर दिसंबर के दूसरे सप्ताह में साउथ चाइना सागर से अमेरिकी नौसेना ने अपने फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर का मलबा समुद्र की गहराई से सुरक्षित बाहर निकाल लिया है. इन दोनों ऑपरेशनों को अमेरिका की सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है.

कांग्रेस पर उठे 500–350 करोड़ के सवालों पर बोले नितिन कोहली– "सच दबाया नहीं जा सकता, पंजाब को जवाब चाहिए"

जालंधर– जालंधर सेंट्रल के हल्का इंचार्ज नितिन कोहली ने कहा कि कांग्रेस पर लगे 500 करोड़ और 350 करोड़ के आरोप बेहद गंभीर हैं और पंजाब की जनता इन प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन सवालों से बचने की कोशिश कर रही है, जबकि सच्चाई सामने लाना बहुत ज़रूरी है।

नितिन कोहली ने कहा कि यह जानना आवश्यक है कि इतनी बड़ी राशि कहाँ से लाई गई, किसके पास गई और दो अलग–अलग रकम का कारण क्या था। उन्होंने कांग्रेस से कहा कि वह जनता के सामने पूरा सच रखे।

आम आदमी की सच्ची सरकार

इसके साथ ही कोहली ने पंजाब सरकार की सराहना करते हुए कहा कि आज राज्य में आम आदमी की सच्ची सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब की प्रगति, ईमानदारी और जनता के हित

को सबसे ऊपर रखते हैं।

कोहली ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान गाँव, शहर और हर क्षेत्र में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का हर कदम जनता की भलाई के लिए है।

उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान हाल ही में विदेश यात्रा पर गए, जहाँ उन्होंने पंजाब में उद्योग, रा. ंजगार और विकास लाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण मुलाकातें कीं। यह यात्रा पंजाब के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

नितिन कोहली ने कहा कि सरकार पूरी ईमानदारी, पारद. र्शिता और जनता की सेवा के सिद्धांत पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता जानती है कि आज राज्य में ऐसी सरकार है जो वादे नहीं, बल्कि काम करती है। अंत में नितिन कोहली ने कहाकृ "कांग्रेस चाहे जितना भी बचने की कोशिश करे, लेकिन सच छिप नहीं सकता। पंजाब की जनता अपने सवालों का उत्तर अवश्य पाएगी।"

महाराजा रणजीत सिंह एएफपीआई के पांच पूर्व विद्यार्थी भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना में हुए शामिल

चंडीगढ़– मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के कुशल नेतृत्व में देश के लिए वीर सैनिक तैयार करने की पंजाब की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, मोहाली स्थित प्रतिष्ठित महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज़ प्रिप. रेटरी इंस्टीट्यूट के पांच पूर्व विद्यार्थियों को आज भारतीय सशस्त्र सेनाओं में अधिकारियों के रूप में शामिल किया गया है। इंडियन मिलिट्री अकैडमी , देहरादून में 157वें रेगुलर कोर्स की पासिंग आउट परेड, जिसकी समीक्षा जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ द्वारा

की गई, के दौरान चार कैडेटों को भारतीय सेना में शामिल किया गया। भारतीय सेना में शामिल होने वाले कैडेटों में गुरकीरत सिंह (अमृतसर), जिनके पिता कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स के सेवानिवृत्त सैनिक हैंय बरजिंदर सिंह (गुरद. ासपुर), जिनके पिता स्कूल प्रिंसिपल और माता पीएसपीसीएल सुपरडेंट हैंय सुखदेव सिंह गिल (गुरदासपुर), जिनके पिता सेवानिवृत्त पीएसपीसीएल जेई हैंय तथा विनायक शर्मा (पठानकोट), जिनके माता–पिता निजी क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं, शामिल हैं।

पंजाब में पकड़ा गया चुनाव में बांटने के लिए आया शराब का ट्रक! आरोपी गिरफ्तार

जालंधर– ब्लॉक समिति और जिला परिषद चुनावों को देखते हुए स्थानिय पुलिस और सी.आई.ए. स्टाफ जालंधर देहात की टीम ने एक सांझा ऑपरेशन चलाया, जिसके तहत एक ट्रक से अलग–अलग ब्रांड की 683 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

डी.एस.पी. सब डिवीजन फिल्लौर भरत मसीह ने बताया कि एस.एस.पी. जालंधर देहाती के निर्देश पर थाना प्रमुख फिल्लौर के इंस्पेक्टर अमन सैनी और सी.आई.ए. स्टाफ जालंधर देहात की टीम ने सांझे ऑप्रेशन के तहत ब्लॉक समिति और जिला परिषद चुनावों को देखते हुए चेकिंग के लिए ओल्ड बस स्टैंड फिल्लौर के पास एक ट्रक नंबर आर.जे. 14 जी.जे. 3562 को रोका गया। इससे बड़ी मात्रा में गैर–कानूनी शराब बरामद हुई। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर मनोज छाजू राम रा. जपूत निवासी गांव सहजगंज, नवी नगरी पुरुषराम के भट्ठे के पास थाना सहजगंज जिला वडोदरा (गुजरात) को गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने बताया कि फिल्लौर पुलिस स्टेशन ने एक्साइज

एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। डी.एस.पी. भरत मसीह ने बताया कि जांच में पता चला है कि यह शराब फिल्लौर शहर और आस–पास के गांवों में सप्लाई की जानी थी। उन्होंने बताया कि आरोपी को पुलिस रिमांड पर लिया गया है और इस गैर–कानूनी धंधे में शामिल दूसरे लोगों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

इजरायल ने गाजा में फिर बोला हमला

इजरायल– इजरायली रक्षा बल और इजरायल सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया है कि 13 दिसंबर 2025 को गाजा में एक टार्गेट ऑपरेशन के दौरान हमास के वरिष्ठ कमांडर राद साद को मार गिराया गया है. इजरायल के मुताबिक, राद साद हमास के सैन्य विंग में हथियार उत्पादन मुख्यालय का प्रमुख था और 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए भीषण हमले की योजना बनाने वालों में शामिल था. IDF ने कहा कि राद साद हाल के महीनों में हमास के सबसे अनुभवी और खतरनाक आतंकियों में गिना जा रहा था. सीजफायर के बा. वजूद वह हमास की सैन्य सं. रचना को दोबारा खड़ा करने और हथियार निर्माण को तेज करने में जुटा हुआ था. इजरायली सेना के अनुसार, हाल के हफ्तों में सैनिकों पर किए गए कई विस्फोटक हमलों के पीछे उसी की अहम भूमिका थी.

छुट्टियों से वापस आने के बाद कराते हैं प्रेग्नेंसी टेस्ट

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पुणे से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां पर एक छात्रा ने आरोप लगाया है कि घर से वापस आने के बाद हॉस्टल की सभी छात्राओं का प्रेग्नेंसी टेस्ट कराया जाता है। इस आरोप को महिला आयोग ने गंभीरता से लिया है। दरअसल, सरकारी आदिवासी छात्रावास की छात्राओं ने कहा कि छुट्टियों से लौटने के बाद उनका प्रेग्नेंसी टेस्ट कराने का दबाव बनाया जाता है। छात्राओं का आरोप है कि हॉस्टल प्रबंधन का कहना है कि नेगेटिव रिपोर्ट आए बिना प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस आरोप को महिला आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने कहा कि अगर इस आरोप में सच्चाई पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आरोप तय होंगे।

महिला आयोग ने लिया संज्ञान– आयोग ने छात्राओं को प्रेग्नेंसी टेस्ट के लिए विवश करने को गलत माना है। आयोग ने इसको गलत मानते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया। बता दें कि इससे पहले सितंबर में ही वाकड जिला पुणे में आदिवासी लड़कियों को रेगुलर हेल्थ चेक–अप के दौरान यूपीटी टेस्ट करवाने की बात सामने आई थी।

बीच सड़क बस की ब्रेक फेल, चपेट में आए लोग

लुधियाना– लुधियाना के बस अड्डे के पास आज एक बड़ा हादसा हो गया। जानक.ारी के अनुसार एक निजी बस की ब्रेक अचानक फेल होने से वह अनियंत्रित हो गई और सामने जा रहे ई–रिक्शा से टकरा गई।

तेज टक्कर के कारण ई–रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार कई लोग घायल हो गए।

वहीं सड़क पर मौजूद लोगों के भी घायल होने की खबर सामने आई है। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है।

होटल में युवती की सेमी–न्यूड लाश मिलने से हड़कंप, पुलिस ने शुरू की फोरेंसिक जांच

लुधियाना–लुधियाना के एक मशहूर होटल में स्टाफ को कमरे में एक युवती की सेमी–न्यूड लाश मिली। बता दें कि मृतक युवती के चेहरे पर चोट के निशान थे और नाक से खून बहा हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

रेस्टोरेंट स्टाफ ने किया था अलर्ट

होटल स्टाफ के अनुसार, युवती दोपहर में एक युवक के साथ कमरे में गई थी।

शाम तक दरवाजा नहीं खुला तो स्टाफ ने शंका जताई। कमरे के अंदर जाकर देखा गया कि युवती की लाश पड़ी थी।

पुलिस ने शुरू की जांच और फोरेंसिक टीम ने जुटाए सुराग– पुलिस देर रात गांव मेहरबान इलाके में पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। साथ ही, सेफ सिटी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी युवक और युवती किन रास्तों से होटल तक पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने कमरे के आस–पास से चादरें, बेडशीट और फिंगरप्रिंट इकट्ठा किए। कमरे में बेड से एक कटर भी मिला, और युवती की आइब्रो पर कट के निशान पाए गए।

लुधियाना में खूंखार कुत्तों का आतंक! बुरी तरह नोच डाला मासूम, हालत गंभीर

मुल्लापुर दाखा : आवारा कुत्तों का आंतक बढ़ता ही जा रहा है। लुधियाना में खूंखार कुत्तों का आतंक! बच्चे का मुंह बुरी तरह काटा, हालत गंभीर दाखा थाने के गांव जंगपुर में खूंखार कुत्तों का आतंक जारी है। कल शाम एक प्रवासी मजदूर के बच्चे को 7–8 कुत्तों के झुंड ने काट लिया। बच्चे की उम्र 8 साल बताई जा रही है।अगर बच्चे का पिता मौके पर नहीं पहुंचता तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता था। घायल बच्चे को पहले मुल्लांपुर के प्रा. इवेट अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल लुधियाना रेफर कर दिया जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे चंडीगढ़

अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि, कुत्तों ने इस दौरान बच्चे को बहुत ही बुरी तरह से नोच डाला, जिससे उसकी आंखें काफी प्रभावित हुई है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह बोले– भाजपा में मुझसे सलाह नहीं ली जाती

चंडीगढ़ – पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कामकाज

दिल्ली से होते हैं सभी फैसले

की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस के विपरीत, पार्टी उनसे परामर्श नहीं कर रही है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना को पूरी तरह खारिज किया।

'पीटीआई वीडियो को दिए एक साक्षात्कार में सिंह ने कहा कि कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्हें जिस तरह से मुख्यमंत्री पद से

हटाया गया था, उससे वह अब भी आहत हैं, इसलिए कांग्रेस में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि भाजपा में सभी निर्णय दिल्ली में लिए जाते हैं और जमीनी नेताओं से परामर्श नहीं किया जाता।

उन्होंने कहा, ''मेरे पास 60 साल का राजनीतिक अनुभव है, लेकिन मैं खुद को उन पर थोप नहीं सकता। हालांकि, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की।

इस डंसस में लगी भयानक आग, मची अफरा–तफरी, हर तरफ धुआं ही धुआँ

लुधियाना– लुधियाना में स्थित वेस्ट्रन माल में भीषण आग लग गई है, जिस कारण मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई है। आग किन कारणों से लगी, यह पता नहीं चल पाया है, लेकिन आग इतनी भयानक रूप से फैल चुकी है कि हर तरफ धुआं ही धुआं नजर आ रहा है और उस पर काबू पाना बहुत मुश्किल हो रहा है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची है तथा आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है और घटना में किसी तरह का कोई जानी नुक्सान बारे अभी सूचना नहीं है।

19 साल की लड़की अचानक लापता

लुधियाना : लुधियाना से अपने घर बठिंडा जा रही एक युवती को कुछ लोगों ने कि.डनैप कर लिया। किडनैप करने वालों ने लड़की के परिवार से फिरौती की मांग की और न देने पर उन्हें धमकियां

फिरौती कॉल से मची दहशत

दी। पता चलने पर युवती के परिवार ने पुलिस को सूचित किया। जांच के बाद थाना दुगरी की पुलिस ने निर्मल नगर दुगरी निवासी युवती की बहन रविंदर कौर के बयान पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दिए बयान में युवती की बहन ने बताया कि उसकी बहन (19) रूपिंदर कौर

निर्मल नगर में किसी के घर किचन का काम करती थी। 12 नवम्बर को रात करीब 8 बजे वह उसे बताकर गई कि वह बठिंडा अपने घर जा रही है लेकिन वह घर नहीं पहुंची तो उसकी तलाश की गई।

इस दौरान जब उसने अपनी बहन के फोन पर कॉल की तो उसका फोन किसी अज्ञात व्यक्ति ने उठाया और धमकाते हुए कहा कि उसकी बहन उनके पास है। अगर उसको छुड़वाना है तो 40 हजार रुपए की फिरौती भेज दो। अगर मना किया तो इस का गलत परिणाम भुगतना पड़ेगा। उन्हा.ंने अपनी बहन कि काफी तलाश की लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच अधिकारी ने बताया कि मामले को लेकर कार्रवाई की जा रही है।

गोल्डी बराड़ गैंग पर बड़ी कार्रवाई, फिरौती मांगने वाले दो गुर्गे गिरफ्तार

लुधियाना : थाना डिवीजन नंबर–4 की पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए उसके दो सक्रिय गुर्गों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जतिन उर्फ सैम और जसप्रीत सिंह के रूप में हुई है। जबकि बाकी फरार आरोपी शुभम ग्रोवर,

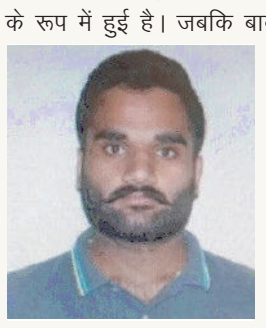

वरिंदर चरन, मानव, विकास, राजेश उर्फ कन्नू, संदीप, नरेश सोनी, विक्रम संदीप, राजन सिद्धू उर्फ नन्नी, जसप्रीत सिंह उर्फ जस, जतिन उर्फ सैम और जतिन कटारिया हैं।

पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। इसके साथ ही पुलिस दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन की गहनता से जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे कब से गोल्डी बराड़ के संपर्क में थे और किन–किन वारदातों में उनकी भ.ूमिका रही है।पुलिस जल्द प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका खुलासा करेगी। जानकारी के मुताबिक 12 दिसंबर को गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को वैद्य मंदिर चौक के पास दरेसी ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया है कि गोल्डी बराड़ ने फिरौती वसूलने के लिए एक संगठित अपराध गिरोह तैयार कर रखा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अब तक इस गिरोह ने कितने लोगों से फिरौती की मांग की है। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

तहबाजारी शाखा में सख्ती कमिश्नर की कार्रवाई से हिली व्यवस्था

लुधियाना : नगर निगम की तहबाजारी शाखा इन दिनों सख्त प्रशासनिक कार्रवाई के चलते चर्चा में है। ट्रैफिक जाम और अवैध कब्जों को लेकर

लगातार बदले जा रहे अधिकारी

नगर निगम कमिश्नर द्वारा दिए गए निर्देशों के ठीक से पालन न होने पर एक के बाद एक अधिकारियों को जिम्मेदारियों से हटाया जा रहा है। हाल ही में इंस्पेक्टर के बाद अब तहबाजारी शाखा के नोडल ऑफिसर को भी पद से हटा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, सड़कों पर लगने वाली रेहड़ी–फड़ियों और दुकानदारों द्वारा तय सीमा से बाहर तक सामान व वाहन खड़े करने से यातायात व्यवस्था लगातार

प्रभावित हो रही थी। इसे लेकर कमिश्नर ने नियमित अभियान चलाने के स्पष्ट आद.ेश दिए थे, लेकिन इन आदेशों के क्रियान्वयन में लापरवाही सामने आने के बाद यह कार.्वाई की गई।

हालांकि हटाए गए इंस्पे.क्टर की ओर से राजनीतिक सिफारिशों का हवाला दिए जाने की बात भी सामने आई, लेकिन इसके बावजूद कमिश्नर ने सख्त रुख अपनाते हुए तहबाजारी शाखा से उसका चार्ज वापस ले लिया। इसके बाद बुधवार को नोडल ऑफिसर को भी पद से हटा दिया गया। अब यह जिम्मेदारी ज्वाइंट कमिश्नर अभिषेक कुमार को सौंपी गई है। सूत्रों के मुताबिक, तहबा.जारी शाखा में लगातार हो रहे तबादलों को कथित भ्रष्टाचार से भी जोड़कर देखा जा रहा है। आरोप हैं कि रेहड़ी–फड़ी वालों और नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से नियमित अवैध वसूली की शिकायतें लंबे समय से मिलती रही हैं। बताया जा रहा है कि एक कथित फर्जी अधिकारी द्वारा जोन स्तर पर 'महीना' देने का दबाव बनाया जा रहा था और सहयोग न करने वाले कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा था। जब इस संबंध में शिकायत सीधे कमिश्नर तक पहुंची, तो बिना देरी किए नोडल ऑफिसर को हटा दिया गया। प्रशासन की इस कार.्वाई को साफ संकेत माना जा रहा है कि अब तहबाजारी शाखा में अनियमितताओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लूट की कोशिश नाकाम! दो महिलाओं की बहादुरी से भागे हथियारबंद लुटेरे

लुधियाना : थाना डिवीजन नंबर 3 के अधीन आते इलाके किदवई नगर में दो मोटरसाइकिल सवार लुटेरों ने एक्टिवा

सवार दो महिलाओं को अपना शिकार बनाने की कोशिश की। उक्त वारदात रात को करीब 8 बजे की बताई जा रही है। लेकिन महिलाओं के हौंसले के चलते लुटेरे कामयाब नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए। वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। वहीं सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दिखाई दे रहा है कि दो महिलाए एक्टिवा पर सवार होकर जा रही हैं और दो मोटरसाइकिल सवार उनका पीछा करते आ रहे हैं। कुछ दूरी पर आकर मोटरसाइकिल सवार दोनों महिलाओं के एक्टिवा के आगे अपना मोटरसाइकिल लगा कर उन्हें जबरदस्ती रोक लेते हैं और उनका पर्स व सामान छीनने की कोशिश करते है। लेकिन एक्टिवा चला रही महिला ने उनका मुकाबला करते हुए अपना पर्स व सामान नहीं छोड़ती और बचाव के लिए एक्टिवा छोड़ पर शोर मचाते हुए भागने लगती है। एक लुटेरा मोटरसाइकिल से उतर कर तेजधार हथियार निकाल कर उन्हें धमकाने लगता है, लेकिन महिलाएं घबराती नहीं और शोर मचाती है। इसी बात से डरते हुए दोनों लुटेरे मौके से फरार हो जाते हैं।

करोड़ों खर्च: लेकिन बुड्ढा नाला और जहरीला!

3 लाख लोगों का जीवन खतरे में

लुधियाना : करोड़ों रुपए खर्च करके भी बुड्ढे नाले की हालत सुधारने की बजाय उसकी दुर्दशा ही की गई है, जबकि इससे लोगों को कोई राहत नहीं मिली है। शहर के एक आरटीआई कार्यकर्ता ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग बुड्ढे नाले के 14 किलोमीटर के हिस्से से बहने वाले जहरीले केमिकल वाले पानी से होने वाली अप्रत्यक्ष सामूहिक मानव क्षति को रो.कने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है।

अपने लिखे पत्र में उन्होंने तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट में नए सीव.रेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण, पुराने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का अपग्रेडेशन, और नाले में प्रदूषण को रोकने के लिए ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास शामिल था ताकि सतलुज नदी में जाने से पहले पानी का ट्रीटमेंट किया जा सके। यह प्रोजेक्ट अमरूत और स्मार्ट सिटी मिशन के तहत राज्य सरकार (लगभग ₹392 करोड़) और केंद्र सरकार (₹258 करोड़) दोनों के योगदान से शुरू किया गया था। हालाँकि, अब प्रा.जेक्ट का बजट और बढ़ा दिया गया है। परंतु स्थिति बहुत खराब हो गई है आवंटित फंड का ज्यादातर हिस्सा बुद्ध नाले की ऊपरी तौर पर सौंदर्यीकरण पर बर्बाद कर दिया गया है। नाले की हालत बद से बदतर हो गई है। राजनीतिक और अफसर शाही की मिली भगत से बुड्ढे नाले के किनारों पर बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण किया है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सिंचाई विभाग के अनुसार, नाले की मूल चौड़ाई 58 फीट थी, लेकिन इसे अवैध रूप से घटाकर 30 फीट कर दिया गया है और कुछ इलाकों में तो 20 फीट भी कर दिया गया है। सिंचाई विभाग ने इस मामले पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पहले ही नगर आयुक्त, लुधियाना को पत्र लिखा है। चौड़ाई कम करने के बाद, नाले की गहराई दोग.ुनी कर दी गई है, जिससे भ.ूमिगत पीने के पानी के स्रोत जहरीले हो गए हैं और हमें यह दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा

कि प्रशासन, सत्ताधारी पार्टी के नेटवर्क और माफियाओं के प्रभाव में आकर, अलग–अलग डाइंग इंडस्ट्री, डेयरियां, दूसरी इंडस्ट्रियल यूनिट्स और सीवेज सिस्टम के ज़रिए बुड्ढा नाले में जो ज़हरीले केमिकल छोड़े जा रहे हैं। उन्होंने शहर के करीब 3 लाख लोगों को मौत के कगार पर ला दिया है। लोग जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं, इलाज के लिए अपने घर और सामान बेच रहे हैं, जबकि कई लोग बिना इलाज के मर रहे हैं। बुड्ढा नाले का यह खतरनाक के.मिकल वाला पानी न सिर्फ पंजाब के मालवा इलाके को बर्बाद कर चुका है, बल्कि रा.जस्थान के बड़े इलाकों को भी दूषित कर चुका है। यह इंसानियत के सामूहिक विनाश का एक गंभीर मामला है, जिसे पंजाब सरकार नज़रअंदाज़ कर रही है और हमें मौत की तरफ धकेल रही है।

आज लोगों को लुधियाना म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा पीने के पानी की सप्लाई के लिए लगाए गए बड़ी संख्या में ट्यूबवेल और सबमर्सिबल पंपों के कारण ज़हरीला ज़मीन का पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस दूषित पानी से इलाके के लोगों में कैंसर, दिल की बीमारियाँ, किडनी फेलियर और कई जानलेवा बीमारियाँ हो रही हैं इस इलाके के पानी के सैंपल एक बार भी ज़रूरी स्टैंडर्ड पर खरे नहीं उतरे हैं। मैं सबूत के तौर पर पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, लुधियाना की रिपोर्ट साथ में भेज रहा हूँ। उन्होने इसानियत के इस सामूहिक विनाश को रोकने और लोगों को धीरे–धीरे और दर्दनाक मौत से बचाने के लिए जल्दी कार्रवाई करने का अनुरोध किया ताकि बुड्ढे नाले के आ.सपास रहने वाले लोगों के जीवन को बचाया जा सके।

जालंधर में पूर्व पूर्व विधायक शीतल अंगुराल के रिश्तेदार 16 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या

जालंधर – जालंधर में शुक्रवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना में पूर्व विधायक और भाजपा नेता शीतल अंगुराल के रिश्तेदार 16 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान विकास के रूप में हुई है। यह घटना बस्ती दानिशमंदा इलाके के शिवाजी नगर में उस समय हुई, जब किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद तीन युवकों ने विकास पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और विकास सड़क पर गंभीर हालत में खून से लथपथ पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक शीतल अंग.ुराल मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि किशोर की हत्या नशे से जुड़े विवाद के कारण हुई है और इलाके में नशे के बढ़ते कारोबार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। भाजपा के प्रदेश महासचिव अशोक सरीन ने इस नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की और पंजाब सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप

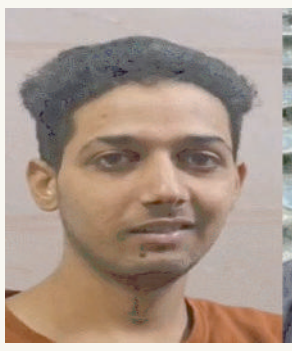

लगाया कि जालंधर पश्चिम क्षेत्र में नशीले पदार्थों की खुलेआम उपलब्धता ने इलाके को अपराधियों का अड्डा बना दिया है।

घटना की सूचना मिलने पर डिवीजन नंबर–5 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आ.सपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस ने बताया कि इस मामले में काला (कालू) नामक युवक मुख्य संदिग्ध है, जो इसी इलाके का रहने वाला बताया जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

इलाके में तनाव का माहौल

घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने एहतियात के तौर पर अतिरिक्त बल तैनात किया है। परिजन आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सम्पादकीय

लाल गलियारे से उजाले की ओर : माओवाद के साये से निकलता भारत, विकास की नई कहानी

देश आज माओवाद के लंबे और भयावह दौर से बाहर निकलता दिखाई दे रहा है। केंद्र और राज्यों की मजबूत रा. जनीतिक प्रतिबद्धता तथा सुरक्षा बलों की सटीक और सतत कार्रवाई ने माओवादी हिंसा की कमर तोड़ दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में माओवाद के खिलाफ रणनीतिक लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है।

जहां एक ओर राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल माओवादी गढ़ों में समन्वय के साथ अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार का फोकस इन इलाकों के सामा. जिक–आर्थिक पुनर्निर्माण पर है। कभी हिंसा और डर के लिए पहचाने जाने वाले क्षेत्र अब विकास, शांति और विश्वास की नई पहचान गढ़ रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं बदलाव की कहानी

छत्तीसगढ़ में बीते 22 महीनों के भीतर सुरक्षा बलों ने 487 से अधिक माओवादियों को मार गिराया है, 2240 ने आत्मसमर्पण किया है और 1833 को गिरफ्तार किया गया है। यह सफलता देश में माओवाद के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है।

जिन इलाकों में कभी गोलियों की आवाज़ें गूंजती थीं, वहां आज स्कूल, सड़कें, अस्पताल और मोबाइल टावर खड़े हैं। शीर्ष माओवादी नेताओं सुधाकर, बसवराजू और हिडमाकृ के मारे जाने से माओवादी नेटवर्क को गहरा झटका लगा है। बीजापुर का कर्रेगुड़ा ऑपरेशन इस बदलाव का प्रतीक बनकर उभरा है।

आत्मसमर्पण से पुनर्वास तकरू नीति में बड़ा बदलाव

छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों और प्रभावित परिवारों को मुख्यधारा में लाने के लिए देश की सबसे प्रभावी पुनर्वास नीतियों में से एक लागू की है। आत्मसमर्पण करने वालों को तीन वर्षों तक ₹10,000 मासिक सहायता दी जा रही है। शहरी क्षेत्रों में आवासीय प्लॉट और ग्रामीण इलाकों में कृषि भूमि की व्यवस्था की गई है।

नीति का एक अहम बदलाव यह है कि पहले सुरक्षा बलों को दिए जाने वाले इनाम अब आत्मसमर्पण करने वालों को दिए जा रहे हैं। यदि किसी संगठन के 80 प्रतिशत से अधिक सदस्य सामूहिक आत्मसमर्पण करते हैं, तो दोगुना प्रोत्साहन घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरेंडर नीति में किए गए सुधारों का असर साफ दिखाई दे रहा है।

विकास की नींवरू योजनाएं जो जमीन पर उतरीं

आत्मसमर्पित माओवादियों और पीड़ित परिवारों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवास निर्माणाधीन हैं। दूरदराज के 403 गांवों में बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं नई सड़कें, मोबाइल टावर, उप–स्वास्थ्य केंद्र और उचित मूल्य दुकानें ग्रामीण जीवन को नई दिशा दे रही हैं।

बस्तररू भय से निवेश तक

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर बस्तर, जो कभी हिंसा का पर्याय माना जाता था, अब निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। नई औद्योगिक नीति (2024–30) के तहत स्टील, फूड प्रोसेसिंग, कृषि, डेयरी, पर्यटन और वेलनेस सेक्टर में 967 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं। नगरनार स्टील प्लांट के आसपास 118 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

एमएसएमई और सेवा क्षेत्र में 1000 करोड़ रुपये के निजी निवेश से 2100 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। जगदलपुर में 350 बिस्तरों वाला मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है, जिससे बस्तर को मेडिकल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़े हैं।

युवा, कौशल और आत्मनिर्भरता

90,273 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है और 39,137 युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। आईटी, ऑटा. मोटिव, कंस्ट्रक्शन, सोलर और एग्रीटेक परियोजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। आधुनिक राइस मिल, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज से किसानों की आय में वृद्धि हो रही है।

पर्यटन से पहचान

बेहतर कानून–व्यवस्था, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के अवसरों ने बस्तर की छवि बदल दी है। धुड़मारास को संयुक्त राष्ट्र द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव घोषित किया जाना इस बदलाव की वैश्विक पहचान है। चित्रकोट, तीरथगढ़ और कांगेर घाटी में आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया गया है।

जो माओवाद कभी भारत के लिए सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती माना जाता था, आज वह सिमट रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से अब डर नहीं, विकास आगे बढ़ रहा है। लाल गलियारे में अब उम्मीद, विश्वास और शांति की नई सुबह दिखाई दे रही है।

–संपादक

विदेशों का रुख कर रहे भारतीय

देश में पिछले पांच सालों के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है। सरकार की ओर से राज्यसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 से 2024 के बीच कुल 8,96,843 भारतीयों ने अपनी नागरि. कता त्याग दी। यह जानकारी केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में दी।

सरकारी आंकड़ों से यह साफ होता है कि 2022 के बाद नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में तेजी आई है। साल 2022 में सबसे ज्यादा लोगों ने नागरिकता छोड़ी। उस वर्ष 2,25,620 भारतीयों ने नागरिकता त्याग दी। इसके बाद 2023 में 2,16,219 और 2024 में 2,06,378 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी। वहीं 2020 में यह संख्या 85,256 और 2021 में 1,63,370 रही।

सरकार ने यह भी बताया कि इससे पहले 2011 से 2019 के बीच 11,89,194 भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी थी। इन वर्षों में हर साल एक लाख से ज्यादा लोगों ने देश की नागरि. कता त्यागी। इनमें 2011 में 1,22,819, 2012 में 1,20,923, 2013 में 1,31,405, 2014 में 1,29,328, 2015 में 1,31,489, 2016 में 1,41,603, 2017 में 1,33,049, 2018 में 1,34,561 और 2019 में 1,44,017 लोग शामिल थे।

झूठे नौकरी ऑफर्स के जाल में फंसे भारतीय

विदेश राज्य मंत्री ने संसद को यह भी बताया कि सरकार ने सोशल मीडिया के जरिए फैलाए जा रहे फर्जी नौकरी ऑफर्स पर गंभीरता से संज्ञान लिया है। कई फर्म दक्षिण एशियाई देशों में अच्छी नौकरी का लालच देकर भारतीयों को फंसा रही थीं। बाद में इन लोगों से वहां साइबर क्राइम और अन्य फर्जी गतिविधियों से जुड़े स्कैम सेंटर्स में जबरन काम करवाया जा रहा था।

सरकार की सक्रिय कार्रवाई के चलते अब तक करीब 6,700 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। विदेश मंत्रालय लगातार ऐसे मामलों पर नजर रख रहा है और विदेशी सरकारों के साथ मिलकर कार्रवाई कर रहा है।

विदेशों में रह रहे भारतीयों से 16 हजार से ज्यादा शिकायतें

2024–25 के दौरान विदेशों में रह रहे भारतीयों से जुड़ी शिकायतों को लेकर भी सरकार ने जानकारी दी। विदेश मंत्रालय को इस अवधि में कुल 16,127 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 11,195 शिकायतें 'मदद' पोर्टल के माध्यम से और 4,932 शिकायतें सीपीग्राम्स के जरिए दर्ज कराई गईं।

सबसे ज्यादा संकट से जुड़े मामले सऊदी अरब से सामने आए, जहां से 3,049 शिकायतें मिलीं। इसके बाद यूएई (1,587), मलेशिया (662), अमेरिका (620), ओमान (613), कुवैत (549), कनाडा (345), ऑस्ट्रेलिया (318), ब्रिटेन (299) और कतर (289) का नंबर रहा।

प्रवासी भारतीयों की मदद के लिए मजबूत व्यवस्था

सरकार ने बताया कि प्रवासी भारतीयों की समस्याओं के समाधान के लिए एक मजबूत और बहु–स्तरीय व्यवस्था बनाई गई है। इसमें 24×7 इमरजेंसी हेल्पलाइन, वॉक–इन सुविधा, सोशल मीडिया के जरिए सहायता और बहुभाषी सपोर्ट शामिल है।

अधिकतर मामलों को भारतीय मिशनों द्वारा सीधे संवाद, नियोक्ताओं से बातचीत और स्थानीय प्रशासन से समन्वय कर जल्दी सुलझा लिया जाता है। हालांकि, कुछ मामलों में देरी की वजह अधूरी जानकारी, नियोक्ताओं का सहयोग न करना या अदालत में लंबित मामले होते हैं।

मंत्री ने बताया कि जरूरत पड़ने पर भारतीय दूतावास पैनल वकीलों के जरिए कानूनी सहायता भी उपलब्ध कराते हैं, जिसका खर्च इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर फंड से उठाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रवासी कामगारों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रवासी भारतीय सहायता केंद्र और कांसुलर कैंप लगातार काम कर रहे हैं।

भारत–रूस योग और पश्चिम की वक्र दृष्टि

अमेरिका और यूरोप भारत में पुतिन के स्वागत और व्यापार प्रस्तावों से नाराज़ होकर भारत को और परेशान करेंगे या फिर भारत का व्यापार रूस के हाथों में जाने से रोकने के लिए जल्दी व्यापार समझौते करेंगे? भारत के लिए रूस के व्यापार प्रस्ताव और उसका भरोसा आकर्षक ज़रूर हैं और रूस में व्यापार और आप्रवासन बढ़ाने की संभावनाएं भी व्यापक हैं।

अमेरिका और नाटो रूस को यूक्रेन से खदेड़ने के लिए लगभग चार वर्षों से उसकी अर्थव्यस्था को घुटनों पर लाने के प्रयासों में जुटे हैं। उन्हें लगता था जैसे दूसरे विश्वयुद्ध ने ब्रिटेन को और अफ़ग़ानिस्तान के युद्ध ने सोवियत संघ को दिवालिया बना दिया था वैसे ही यूक्रेन का युद्ध रूस की कमर तोड़ देगा। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। शुरू के दो सालों में आए मुद्रास्फीति के उछाल और रूबल और अर्थव्यवस्था की गिरावट को रक्षासामग्री के निर्माण और ऊर्जा के निर्यात ने संभाल लिया। फिर भी, पुतिन जानते हैं कि संकट केवल टला है गया नहीं है। युद्ध में लगभग 1500 अरब डॉलर ख़र्च हो चुके हैं। मुद्रा स्फीति और ब्याज दरें आसमान छू रही हैं और कर्ज़ का पहाड़ खड़ा हो गया है। देश में निवेश, सामान और कामगारों की भयंकर तंगी है। चीन ने इस अवसर का लाभ उठाकर रूस में उसी तरह अपना कारोबार फैलाया है जैसे दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अमे. रिका ने यूरोप में फैलाया था और विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन बैठा था। इसी अवसर का लाभ उठाने के लिए ट्रंप शांति समझौता कराने को बेचैन हैं।

पुतिन की भारत यात्रा की सबसे बड़ी वजह यही थी। यूक्रेन युद्ध से विश्व के दो सबसे धनी और बड़े बाज़ारों और निवेशकों, अमेरिका और यूरोप को खो देने के बाद उनके पास चीन और भारत से बेहतर विकल्प नहीं हैं। रूस की तरह भारत और चीन भी ट्रंप के पल–पल बदलते, मनमाने टैरिफ़ फ़रमानों, आप्रवासन नीतियों और प्रतिबंधों से परेशान हैं। इसलिए पुतिन ने भारत में उन क्षेत्रों से जुड़े प्रस्ताव प्रमुखता से रखे जो ट्रंप की टैरिफ़ नीतियों और यूरोप के प्रतिबंधों के निशाने पर हैं। जैसे रक्षा सामग्री और तकनीक का क्षेत्र जहां अमेरिका और यूरोप शर्तें लगाते हैं और तकनीक का हस्तांतरण करने एवं संयुक्त निर्माण करने को तैयार नहीं होते। रूस ने वहां बिना शर्त हस्तांतरण और संयुक्त निर्माण की पेशकश की है।

अमेरिका और यूरोप जहां एच1बी वीज़ा पर संख्या और समय की सीमाएं लादने और कुशल कामगरों की आवाजाही को रोकने में लगे हैं वहीं रूस ने कामगरों की निर्बाध आवा. जाही की पेशकश की है क्योंकि उसे इस समय कामगरों की ज़रूरत है। अमेरिका और यूरोप जहां तरह–तरह की शर्तें लगाकर मुक्त

व्यापार समझौते को महीनों से लटकाए हुए हैं वहीं रूस ने अपने साथ–साथ अपने आर्थिक संघ के सदस्य देशों के साथ भी बिना शर्त मुक्त व्यापार समझौते का प्रस्ताव रख दिया है। अमेरिका और यूरोप जहां भारत पर रूस से तेल और गैस न खरीदने का दबाव डाल रहे हैं वहीं रूस ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल और गैस के साथ–साथ परमाणु ईंधन की भी निर्बाध आपूर्ति करने और छोटे परमाणु बिजलीघर बनाकर देने की पेशकश की है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अमेरिका और यूरोप भारत में पुतिन के स्वागत और व्यापार प्रस्तावों से नाराज़ होकर भारत को और परेशान करेंगे या फिर भारत का व्यापार रूस के हाथों में जाने से रोकने के लिए जल्दी व्यापार समझौते करेंगे? भारत के लिए रूस के व्यापार प्रस्ताव और उसका भरा. सा आकर्षक ज़रूर हैं और रूस में व्यापार और आप्रवासन बढ़ाने की संभावनाएं भी व्यापक हैं। पर वे अमेरिका और यूरोप की नाराज़गी से हो सकने वाले नुकसान की भरपाई के लिए काफ़ी नहीं। भारत ने पिछले साल अमेरिका को 87 अरब और यूरोप को 77 अरब डॉलर का सामान बेचा था जो उसके कुल निर्यात के 40 प्रतिशत के बराबर है। रूस को अभी वह मात्र 5 अरब डॉलर का निर्यात करता है। पिछले दो साल में रूस से सस्ते दामों पर ख़रीदे तेल से होने वाली बचत भी 4 अरब डॉलर से अधिक की नहीं थी। इसलिए अमेरिका और यूरोप में होने वाली 164 अरब डॉलर की बिक्री को सुरक्षित रखना और उसे बढ़ाना भारत का पहला लक्ष्य होना चाहिए। परंतु भारत जैसा बड़ा देश किसी की धौंस या दबाव में कुछ नहीं कर सकता।

जैसे रूस और चीन ट्रंप और यूरोप के प्रतिबंध, टैरिफ़ और आप्रवासन नीतियों की मार से टस से मस नहीं हुए वैसे ही भारत भी अपनी नीतियों पर अडिग रहा। ट्रंप ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले पुतिन की बड़ाई कर उन्हें फुसलाने की कोशिशें की। फिर धमकाने, धौंस जमाने और प्रतिबंध लगाने की कोशिशें कीं पर एक न चली। यही हाल चीन के साथ हुआ और हार कर ट्रंप को ही झुककर सुलह करनी पड़ी। भारत में ब्रिटेन, फ़्रांस और जर्मनी के राजदूतों ने मिलकर पुतिन की यात्रा से पहले लिखे अपने लेख में उनकी आलोचना करते हुए यूक्रेन के हमले को अंतरराष्ट्रीय नियमों का घोर उल्लंघन बताया था। यदि वह उल्लंघन था तो फिर अमेरिका कौन से अंत. रराष्ट्रीय नियम का पालन करते हुए करेबियाई सागर में वेनेजुएला की नौकाओं पर हमले कर रहा है? ईरान के परमाणु केंद्र पर किया हमला संयुक्त राष्ट्र के किस नियम का पालन था? क्या ब्रिटेन, फ़्रांस और जर्मनी मिलकर अमे. रिका को रोक सकते हैं? इसी तरह रूस, चीन और भारत जैसे महादेशों को भी प्रतिबंधों और धौंस–धमकियों से घेरा और विवश नहीं किया जा सकता। शायद इसीलिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय उस समय की पांच महाशक्तियों को वीटो का अधिकार दिया गया था। यह बात संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक और संरक्षक होने के नाते अमेरिका को और नाटो में शामिल ब्रिटेन और फ़्रांस जैसी शक्तियों को नहीं भूलनी चाहिए थी।

पुतिन की यात्रा के दौरान और उसके बाद ट्रंप और नाटो ने कोई ऐसा बयान नहीं दिया जिससे भारत को चिंता हो। यूं भी यूरोप भी इस समय ट्रंप के टैरिफ़, यूक्रेन की लड़ाई और सुस्त अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है इसलिए उसे भी भारत के व्यापार की उतनी ही ज़रूरत है जितनी भारत को है। ऊपर से ट्रंप के पल–पल बदलते और नित नए फ़रमानों ने यूरोप की नींद उड़ा रखी है। रूस को यूक्रेन के चार प्रांत और क्रीमिया प्रायद्वीप देकर शांति समझौता कराने की 28 सूत्री शांति योजना न यूरोप के निगले बन रही है न उगले। इसी बीच ट्रंप ने नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी कर दी है जिसमें यूरोप की सारी समस्याओं का ठीकरा उसके एकीकरण के सिर फोड़ते हुएउसे राजनीतिक स्वतंत्रता और प्रभुसत्ता का गला घोंटने का दोषी बताया गया है। इसमें फ़्रांस की नेशनल रैली पार्टी, जर्मनी की एएफ़डी पार्टी और इटली की एफ़डीएल जैसी राष्ट्रवादी पार्टियों से सत्ता का आंदोलन चलाने को भी कहा गया है। ऐसा लगता है ट्रंप यूरोप को उसकी हैसियत याद दिलाकर रूस के साथ व्यापारिक संबंध बहाल करने की जल्दी में है। इससे रूस को अपना खोया वर्चस्व बहाल करने और यूरेशिया में अपना प्रभाव क्षेत्र बनाने का मौका मिलेगा। चीन ने पहले ही हिंदचीनी देशों में अपना प्रभाव क्षेत्र जमा रखा है। ऐसे में अब विश्व में उभरती नई व्यवस्था को अमेरिका और चीन की धुरियों में बंटने की जगह बहुपक्षीय बनाए रखने के लिए यूरोप और भारत को भी अपने–अपने प्रभाव क्षेत्र बना कर चलना होगा। पश्चिम एशिया और अफ़्रीका में दोनों के लिए अपार संभावनाएं हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति समझौते को नकार फिर संघर्ष

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित थाईलैंड–कंबोडिया 'ऐतिहा. सिक शांति समझौता' कुछ ही हफ्तों में टूट गया। जिस युद्धविराम के आधार पर ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी पेश की थी, वह 8 दिसंबर को दोबारा हुई झड़पों के साथ पूरी तरह बेनकाब हो गया।

सीमा पर हुई ताज़ा हिंसा के लिए दोनों देश एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। कंबोडिया का आरोप है कि थाई गोलाबारी में उसके सात नागरिक मारे गए और 20 से अधिक घायल हुए, जबकि बैंकॉक ने कंबोडियाई रॉकेट हमलों की बात कही है। इससे पहले 10 नवंबर को एक थाई सैनिक के लैंडमाइन विस्फोट में घायल होने के बाद हालात तेजी से बिगड़ने लगे थे।

अक्तूबर 2025 तक चले हालिया संघर्ष में 40 से अधिक लोगों की मौत और करीब 40 हजार लोगों के विस्थापन की खबरें सामने आईं। द्विपक्षीय बातचीत विफल रही और आसियान की मध्यस्थता भी जमीन पर शांति कायम करने में नाकाम साबित हुई। इसी पृष्ठभूमि में 25 अक्तूबर को ट्रंप ने सीज़फायर की घोषणा करते हुए पूरी सफलता का श्रेय खुद ले लिया, लेकिन महज 42 दिनों में यह दावा खोखला साबित हो गया।

घोषणा बनाम जमीनी हकीकत

विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप की शांति पहल जल्दबाजी और राजनीतिक प्रचार से प्रेरित थी। गंभीर सीमा विवादों में केवल दबाव या धमकी से टिकाऊ समाधान संभव नहीं होता। भारत–पाकिस्तान, यूक्रेन–रूस और गाजा जैसे मामलों में भी ट्रंप की तथाकथित शांति घोषणाएं ठोस परिणाम नहीं दे सकीं।

दक्षिण–पूर्व एशिया के रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि थाई–कंबोडिया विवाद केवल सैन्य नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़ा मामला है। ऐसे में किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता तभी सफल हो सकती है, जब वह दोनों देशों की संवेदनाओं और लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को गंभीरता से समझे।

क्षेत्रीय स्थिरता पर असर

इस टकराव का असर केवल सीमा तक सीमित नहीं है। दक्षिण–पूर्व एशिया के व्यापारिक मार्ग, पर्यटन और निवेश माहौल पर भी इसका

नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। लगातार बढ़ता तनाव आसियान की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रहा है, जो क्षेत्रीय शांति का दावा करता रहा है।

भारत ने फिलहाल स्थिति पर नजर बनाए रखने की बात कही है, लेकिन सक्रिय कूटनी. तिक भूमिका से दूरी बनाए रखी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि क्षेत्रीय शक्तियां समय रहते संतुलित पहल नहीं करतीं, तो यह संघर्ष लंबे समय तक खिंच सकता है।

थाई–कंबोडिया संघर्ष ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि शांति समझौते केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस और सा. शल मीडिया पोस्ट से नहीं टि. कते। जब तक जमीनी विवाद, ऐतिहासिक मतभेद और विश्वास की कमी को दूर नहीं किया जाता, तब तक 'शांति के दावे' बार–बार युद्ध की आग में जलते रहेंगे।

R.N.I. No. PBHIN/25/A4135
पब्लिशर, एडिटर, मालिक जितेंद्र कुमार और प्रिंटर अश्मीत सिंह ने न्यूज़पेपर 'सत्ता संदेश' (हिंदी साप्ताहिक), ने मुंजाल प्रिंटर्स 1558/1, अमरपुरा, माता वाली गली, सिविल हस्पताल के पास, लुधियाना, पंजाब – 141008 से छपवाकर अपने आफिस पीएल 42, वर्धमान पार्क, चंडीगढ़ रोड, मुंडियां कलां, लुधियाना, पंजाब – 141015। से प्रकाशित किया।
M. +91 92162 42177 ईमेलः sattasandesh25@gmail.com

R.N.I. No. PBHIN/25/A4135
Publisher, Editor, Owner JITENDER KUMAR and Printer ASHMEET SINGH Newspaper Title 'SATTA SANDESH' (Hindi Weekly), Printed at MUNJAL PRINTERS 1558/1, AMARPURA MATA WALI GALI, NEAR CIVI HOSPITAL, LUDHIANA, PUNJAB - 141008 and Published from PL 42, VARDHMAN PARK, CHANDIGARH ROAD, MUNDIAN KALAN, LUDHIANA, PUNJAB - 141015.
M. +91 92162 42177 Email : sattasandesh25@gmail.com

पति धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुईं हेमा मालिनी

कहा– मेरा ऑनस्क्रीन प्यार असल जिंदगी में मेरा जीवनसाथी बन गया

उत्तर प्रदेश के मथुरा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अपने दिवंगत पति अभिनेता धर्मेंद्र की याद में शनिवार को एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया। धर्मेंद्र का 89 वर्ष की आयु में 24 नवंबर को निधन हो गया था।

धर्मेंद्र को सरल, विनम्र और खुशमिजाज व्यक्ति बताते हुए हेमा मालिनी ने भावुक संबोधन में कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें अपने श्यारे धर्म जीव के लिए प्रार्थना सभा आयोजित करनी पड़ेगी। यह एक असहनीय सदमा था। हमने 57 साल साथ बिताए और 45 फिल्मों में एक साथ काम किया, जिनमें से 25 से ज्यादा सुपरहिट थीं। बेमिसाल लोकप्रियता के बावजूद धर्मेंद्र

हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र की याद में मथुरा में किया प्रार्थना सभा का आयोजन

अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि मुझे आज भी हैरानी और खुशी होती है कि मेरा ऑनस्क्रीन प्यार असल जिंदगी में मेरा जीवनसाथी बन गया। क्योंकि हमारा प्यार सच्चा था, इसलिए हमने मिलकर चुनौतियों का सामना किया और शादी की। सांसद ने धर्मेंद्र को एक प्यार करने वाला पति, बेटियों ईशा और अहाना का समर्पित पिता तथा अपने पांच पोते–पोतियों को स्नेह करने वाला दादा बताया।

हेमा मालिनी की बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल निजी कारणों से इस श्रद्धांजलि सभा में शामिल नहीं हो पाईं। सांसद ने उर्दू कवि के रूप में धर्मेंद्र की अनजानी प्रतिभा का भी जिक्र किया और कहा कि वह उनकी उर्दू शायरी की एक किताब प्रकाशित करवाएंगी। फिल्म निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा कि उन्हें अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि धर्मेंद्र अब नहीं रहे। बलदेव सीट से विधायक पूरन प्रकाश और कांग्रेस नेता प्रदीप माथुर ने धर्मेंद्र को एक महान अभिनेता और एक शानदार इंसान बताते हुए श्रद्धांजलि दी।

रेलवे ने यात्रियों को दी बड़ी राहत, शुरू की ये स्पेशल ट्रेनें

चंडीगढ़ – पिछले कुछ दिनों में इंडिगो की कई उड़ानों के रद्द होने और देरी के कारण यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग घंटों तक हवाई अड्डों पर फंसे रहे, तो कई लोगों को अपनी यात्रा की योजना अचानक बदलनी पड़ी।

इसी को देखते हुए ऐसे समय में भारतीय रेलवे ने आगे आकर यात्रियों को बड़ी राहत दी है। मिली जानकारी के मुताबिक रेलवे ने तत्काल कार्रवाई करते हुए समय पर वैकल्पिक यात्रा विकल्प उपलब्ध कराने के लिए 8 दिसंबर को विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है।

गंभीर स्तर पर पहुंची दिल्ली की वायु गुणवत्ता

राष्ट्रीय राजधानी को घने कोहरे की चादर ने ढक लिया, जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक 431 दर्ज किया गया, जो श्गंभीरश् श्रेणी के अंतर्गत आता है। इसके चलते वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना के चरण 4 को लागू करना पड़ा।

क्षेत्र में वायु गुणवत्ता की स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के प्रयास में, सीएक्यूएम की जीआरएपी संबंधी उप–समिति ने मौजूदा जीआरएपी के चरण–प्ट – श्गंभीरश् वायु गुणवत्ता के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से पूरे एनसीआर में लागू करने का निर्णय लिया है। यह एनसीआर में पहले से लागू जीआरएपी के चरण एक, दो और तीन के तहत की गई कार्रवाइयों के अतिरिक्त है।

जीआरपी–4 के तहत लगाए गए प्रतिबंधों में गैर–जरूरी ट्रकों और गैर–बीएस–वीआई हल्के वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध शामिल है। इसके अलावा, डीजल से चलने वाले मध्यम और भारी मालवाहक वाहनों पर भी प्रतिबंध है, सिवाय उन वाहनों के जो आवश्यक वस्तुओं को ले जा रहे हों। सड़क, राजमार्ग, फ्लाईओवर व बिजली लाइनों जैसी सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाओं के सभी निर्माण और विध्वंस कार्य निलंबित कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, पैनल ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कार्यालयों को 50 प्रतिशत क्षमता पर संचालित करने और शेष कर्मचारियों को घर से काम करने का सुझाव दिया है।

रुपया बुरी तरह टूटा, सर्वकालिक निचले स्तर पर, 1 डॉलर की कीमत 90.56 रुपये

नई दिल्ली– रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 24 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.56 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता एवं विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से निवेशकों की भावना प्रभावित होने से रुपया दबाव में है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल के बीच आयातकों द्वारा डॉलर की आक्रामक खरीद से भी रुपया पर दबाव पड़ा।

अंतरबैंक विदेशी विनिमय मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.43 पर खुला। फिर डॉलर के

मुकाबले 90.56 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपया बृहस्पतिवार को 38 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.37 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 170.40 अंक चढ़कर 84,988.53 अंक पर जबकि निफ्टी 98.40 अंक की बढ़त के साथ 25,996.95 अंक पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61.69 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,020.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

गोवा अग्निकांड के बाद इस नाईट क्लब में लगी भयानक आग, दूर तक दिखा धुएं का गुबार

भुवनेश्वर– गोवा अग्निकांड के बाद एक बार फिर एक नाइट क्लब में भीषण आग लग गई है जिसकी लपटें दूर तक दिखाई दे रही है।

क्लब में भयानक आग

मिली जानकारी के मुताबिक ओडिशा के भुवनेश्वर में एक क्लब में भयानक आग लग गई है जिससे ग्राहकों, कर्मचारियों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और लोग इधर–उधर भागने लग पड़े।

बताया जा रहा है कि भुवनेश्वर के सत्य विहार इलाके में एक नाइट क्लब में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद वहां के लोग डर गए और मौके पर फायरब्रिगेड की टीम तुरंत पहुंची।

आग की लपटें दूर तक दी दिखाई

वहीं इमारत से उठती घनी काली धुआं एवं आग की लपटें दूर तक दिखाई दीं। आग की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्या यह आग इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, किचन में कोई खराबी या किसी और कारण से लगी। फायरब्रिगेड के कर्मचारियों की तेज कार्रवाई की वजह से आग पास के भवनों तक नहीं फैल पाई। वहीं अब तक इस आग में कोई हताहत नहीं हुआ है।

लूथरा ब्रदर्स पर बड़ा एक्शन!

25 लोग जल रहे थे, मालिक फुकेट भागने की टिकट बनवा रहे थे, रद्द किए पासपोर्ट

गोवा – गोवा के मशहूर श्बर्च बाय रोमियो लेन्सश नाइट क्लब में 25 लोगों की मौत के बाद क्लब के मालिक गौरव और सौरभ लूथरा पर कड़ी कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की भीषण घटना के ठीक बाद ये दोनों लूथरा ब्रदर्स भारत छोड़कर थाईलैंड के फुकेट भाग गए थे। इस बीच विदेश मंत्रालय ने तत्काल प्रभाव से इन दोनों भाइयों के पासपोर्ट रद्द कर दिए हैं जिससे वे अब फुकेट से आगे नहीं जा पाएंगे।

आग लगने के एक घंटे बाद बुक हुई थी टिकट

रिपोर्ट्स में सामने आया है कि जिस वक्त क्लब में लोग खुद को आग से बचाने के लिए इधर–उधर भाग रहे थे और चीख–पुकार मची हुई थी लूथरा ब्रदर्स देश छोड़ने की योजना बना रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक रात करीब 1:17 बजे एक ट्रैवल पोर्टल के ज़रिए दोनों भाइयों ने थाईलैंड की टिकट बुक करवा ली थीकुयानी आग लगने के महज़ एक घंटे बाद।

उसी वक्त पुलिस और फायरब्रिगेड की गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही थीं। इससे पहले मंगलवार को दोनों के खिलाफ इंटरपोल द्वारा 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' भी जारी किया गया था।

गर्भवती महिलाओं के लिए घातक है कुंओं का पानी, हो जाएं सावधान

नई दिल्ली – यदि गर्भवती महिलाएं ऐसे कुओं का पानी पीती हैं, जो पीएफएएस (फॉरेवर केमिकल्स) नामक हानिकारक रसायनों से दूषित जगहों के पास स्थित हैं, तो उनके बच्चे के लिए स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाते हैं। इनमें जन्म के समय उनके शिशुओं का कम वजन, समय पूर्व प्रसव और शिशु की मृत्यु शामिल है। यह खुलासा एक हालिया अध्ययन में हुआ है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि आर्थिक अनुसंधानकर्ताओं और जलविज्ञानियों की टीम ने पाया कि पीएफएएस के संपर्क में आने से अत्यंत कम वजन और समयपूर्व प्रसव की आशंका बढ़ जाती है, जो जीवन भर स्वास्थ्य चुनौतियों से जुड़ा हुआ है। पीएफएएस यानी परफ्लुओरोएल्किल और पॉलीफ्लुओरोएल्किल पदार्थों ने हाल के वर्षों में जनता और नियामकों का ध्यान आकर्षित किया है। ये मानव निर्मित

यौगिक पर्यावरण में बने रहते हैं, मानव शरीर में जमा हो जाते हैं और अत्यंत कम सांद्रता में भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। पीएफएएस के प्रजनन संबंधी जोखिमों के बारे में अधिकांश मौजूदा जानकारी प्रयोगशाला में चूहों जैसे जीवों पर किए गए अध्ययनों से, या मानव रक्त में पीएफएएस के स्तर और स्वास्थ्य परिणामों के बीच संबंधों पर आधारित है। दोनों ही तरीकों की अपनी–अपनी अहम सीमाएं हैं। चूहों और मनुष्यों के शरीर, उनके संपर्क और रहने की स्थितियां अलग–अलग होती हैं।

दिल्ली वालों के लिए खुशखबरी... 30 साल बाद फिर से शुरू होगी डबल डेकर बस

नई दिल्ली– दिल्ली में 30 साल बाद डबल डेकर बसों का वापसी का ऐलान किया गया है। अब ये बसें केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि राजधानी का टूरिस्ट आकर्षण बनकर सामने आएंगी। नई डबल डेकर बसें आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं और पूरी तरह इलेक्ट्रिक हैं। इन्हें अशोक लेलैंड ने अपनी नई पहल के तहत बनाया है। बस

में 60 से ज्यादा यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है और इसकी ऊंचाई 4.75 मीटर है। बाहरी हिस्से पर दिल्ली के प्रमुख लैंडमार्क की खूबसूरत तस्वीरें बनी हैं।

नई बस यात्रियों को दिल्ली के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करवाएगी। इसका सफर प्रधानमंत्री म्यूजियम से शुरू होगा और भारत मंडपम, नेशनल वॉर मेमोरियल, नया संसद भवन, दिल्ली हाट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों तक जारी रहेगा। बस में एक गाइड भी मौजूद रहेगा जो प्रत्येक इमारत और स्थल से जुड़ी रोचक जानकारियां

डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्ग व्यक्ति से ठगे 1.16 करोड़, 3 लोग गिरफ्तार

पैसों के लिए उन्होंने खाता बिहार में रूपेश कुमार को सौंप दिया

नई दिल्ली– दिल्ली पुलिस ने एक बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट करने के बाद उससे 1.16 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के तीन कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताते हुए आरोपी ने एक वीडियो कॉल के दौरान पीड़ित 82 वर्षीय व्यक्ति को एक फर्जी गिरफ्तारी आदेश दिखाया।

दबाव बनाकर और कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर बुजुर्ग व्यक्ति को कुल 1.16 करोड़ रुपये अंतरित करने के लिए मजबूर किया गया। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि ठगी गई रकम का एक बड़ा हिस्सा करीब 1.10 करोड़ रुपये हिमाचल प्रदेश स्थित एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के चालू खाते में जमा किया गया था।

हालांकि, यह खाता बिहार के पटना से जालसाजों द्वारा कथित तौर पर संचालित किया जा रहा था। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर इसी बैंक खाते के खिलाफ 32 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है। मामले की जांच के तहत हिमाचल प्रदेश और बिहार में कई छापेमारी की गई, जिससे तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई।

पंजाब के राज्यपाल गुरुद्वारा दरबार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी बुलंदपुरी साहिब में हुए नतमस्तक

महितपुर (जालंधर)– पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने आध्यात्मिकता के केंद्र

गुरुद्वारा दरबार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी, बुलंदपुरी साहिब में नतमस्तक हुए और दुनिया के सबसे ऊंचे निशान साहिब के दर्शन किए। दौरे के दौरान राज्यपाल को बाबा बलदेव सिंह जी, स्टेट इंफोर्मेशन कमिश्नर पंजाब हरप्रीत संधू और प्रसिद्ध आर्किटेक्ट राजोध सिंह द्वारा की जा रही विभिन्न पहलकदमियों तथा आध्यात्मिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। यह आध्यात्मिक मिशन वर्ष 2021 में श्री गुरु नानक देव जी की एकता, शांति और मानवता से प्रेम करने की शिक्षाओं का प्रचार करने के लिए गोबिंद सागर चौरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से शुरू किया गया था, जो मानवता की भलाई के लिए विश्व स्तर पर सेवा निभा रहा है।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल ने श्री गुरु नानक देव जी के विश्वव्यापी भाईचारे और दया के संदेश के प्रचार के लिए बाबा बलदेव सिंह जी द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों की भरपूर सराहना की।

पंजाब में शराब खरीदने के लिए आ गए नियम!

लुधियाना – एक्साइज विभाग लुधियाना ने शुक्रवार को मिनी सचिवालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जिसकी अध्यक्षता असिस्टेंट कमिश्नर एक्साइज (लुधियाना वैस्ट रेंज) इंद्रजीत सिंह नागपाल और असिस्टेंट कमिश्नर एक्साइज (लुधियाना ईस्ट रेंज) शिवानी गुप्ता ने की। बैठक में शहर के सभी मैरिज पैलेसों और बीयर बारों के मालिकों व प्रबंधकों को बुलाया गया था। अधिकारियों ने पंजाब के माननीय एक्साइज कमिश्नर द्वारा जारी नए दिशा–निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। असिस्टेंट कमिश्नरों ने साफ निर्देश दिए कि अब कोई भी मैरिज पैलेस या बीयर बार शादी या किसी भी आयोजन के लिए ग्राहकों की ओर से शराब नहीं खरीदेगा। ग्राहक शराब केवल

अधिकृत शराब ठेकों से ही नियमों का पालन करते हुए स्वयं खरीदेंगे। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सभी प्रतिष्ठानों को विभागीय नियमों और कानूनी शर्तों का कड़ाई से पालन करना होगा।

अमित शाह बोले– जनगणना के नतीजे विकास के लिए साबित होंगे दिशा–निर्देशक

नई दिल्ली – केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि जनगणना 2027 के नतीजे देश के विकास के लिए नए दिशा–निर्देशक की तरह काम करेंगे, क्योंकि यह भारत की नवीनतम जनसंख्या से जुड़े आंकड़े अधिक सटीकता के साथ प्रतिबिंबित करेंगे।

शाह ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक और सांख्यिकीय कवायद के लिए 11,718.24 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए जनगणना 2027 के बजट को मंजूरी दे दी है। उन्होंने 'एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि आंकड़ों में सटीकता मोदी के सुशासन और विकास के लाभों को हर वर्ग के नागरिकों तक पहुंचाने

के दृष्टिकोण को गति देगी, जिससे श्सबका साथ, सबका विकास का नारा अमृत काल में नए भारत की एक भव्य वास्तविकता बन जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, जो अपनी तरह की पहली डिजिटल जनगणना होगी। स्वतंत्रता के बाद से जनगणना का 16वां संस्करण नागरिकों को स्वयं गणना करने का विकल्प भी प्रदान करेगा। देश भर में कोविड–19 महामारी के प्रकोप के कारण 2021 में होने वाली यह दशकीय कवायद स्थगित कर दी गई थी। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी।

7 दिन जंगल में धमाल

अक्षय कुमार लौटे 'वेलकम टू द जंगल' के लिए

अक्षय कुमार अपने सुपर स्पीड अंदाज के लिए जाने जाते हैं. हर साल 3–4 फिल्में लेकर आते हैं. जैसे साल 2025 में 'स्काईफोर्स' से शुरुआत की थी. जिसके बाद 'केसरी चौप्टर 2', 'हाउसफुल 5' और 'जॉली एलएलबी 3' भी लाई गई. अब अक्षय कुमार पहले ही अगले साल यानी 2026 के लिए तैयार हो गए हैं. उनकी दो बड़ी फिल्मों का काम कंप्लीट हो चुका है. जो अगले साल आएंगी– हैवान और भूत बंगला. इसी बीच सारा काम छोड़कर उस फिल्म की तरफ लौट गए हैं, जो लंबे वक्त से अटकी हुई. 7 दिन तक जंगलों में कौनसी अग्निपरीक्षा देने की तैयारी हो गई है?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि, अक्षय कुमार ने 7 दिन के खास शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है. यह इंटेंस एक्शन सीक्वेंस है, जो फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के लिए हो रहा है. लंबे वक्त से फिल्म पर काम हो रहा है, जो पॉपुलर फ्रेंचाइजी का पार्ट 3 है. इस साल भी कहा गया था कि फिल्म आ जाएगी, पर ऐसा नहीं हुआ. पर अब आखिरी शेड्यूल कंप्लीट हो रहा है, जिस फिल्म को अहमद खान डायरेक्ट कर रहे हैं.

मुंबई में नए घर में शिफ्ट हुई लॉरेन गॉटलिब

बॉलीवुड की लोकप्रिय डांसर लॉरेन गॉटलिब ने हाल ही में मुंबई में अपने नए घर में प्रवेश किया है, जिसकी तस्वीरें और वीडियोज उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देखने के बाद लॉरेन के फैंस ने उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं।लॉरेन गॉटलिब ने पारंपरिक हिंदू रीति–रिवा. जों से गृह–प्रवेश किया। पूजा के दौरान मंत्रों के साथ घर को शुद्ध किया। भगवान से सुख–शांति और समृद्धि की कामना की गई। परिवार और दोस्तों के साथ प्रसाद व मिठाइयां बांटी गईं।

बिग बॉस 19 के बाद तान्या मित्तल को पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट

दिसंबर को बिग बॉस 19 खत्म होने के बाद भी कंटेस्टेंट्स में लोगों की दिलचस्पी कम नहीं हुई है। फैंस अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट्स के शो के बाद के कामों को ट्रैक कर रहे हैं, मीडिया इंटरैक्शन से लेकर सोशल आउटिंग तक। जबकि ज्यादातर पुराने हाउसमेट्स धीरे–धीरे लाइमलाइट में वापस आ रहे हैं। तान्या मित्तल ने एकता कपूर के साथ अपने बहुचर्चित टेलीविजन डेब्यू से काफी पहले ही अपना पहला एक्टिंग असाइनमेंट हासिल करके एक कदम आगे बढ़ गई हैं।

तान्या मित्तल का पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट

शनिवार को, तान्या ने इंस्टाग्राम पर अपना पहला विज्ञापन, यस मैडम के लिए एक डिजिटल कमर्शियल जारी किया। यह वीडियो बिग बॉस 19 के बाद उनका एक्टिंग डेब्यू है और इसमें उनकी कॉमिक टाइमिंग दिखाई गई है। क्लिप में, तान्या एक दोस्त को हर हफ्ते ब्यूटी ट्रीटमेंट के लिए कोरिया जाने के बारे में शेखी बघारती हुई दिख रही हैं, और इसे अपनी ला. इफस्टाइल के लिए "बेसिक" बता रही हैं। वह यह भी दावा करती हैं कि वह कोरिया में कई बिजनेस चलाती हैं। कहानी में तब एक मजेदार मोड़ आता है जब उनकी दोस्त एक ब्यूटी सर्विस ऐप के बारे में बताकर उनके झूठ का पर्दाफाश करती है जो झ–ब्यूटी ट्रीटमेंट सीधे घर तक पहुंचाता है।

फैंस कर रहे कमेंट

इस विज्ञापन ने दर्शकों का दिल जीत लिया है, और तान्या की स्क्रीन प्रेजेंस के लिए उन्हें खूब तारीफ मिल रही है। एक फैन ने कमेंट किया, "वाह, तुम्हारा पहला विज्ञापन और यह कमाल का है। बहुत बढ़िया काम तान्या! दूसरे ने लिखा कि बहुत बढ़िया परफॉर्मेंस, तान्या। तीसरे ने कहा कि कौन कहेगा कि यह तुम्हारा पहला विज्ञापन शूट है? बहुत बढ़िया, यार। एक प्रशंसक ने तो हिंदी में भी लिखा कि लड़की ने तो प्रोफेशनल एक्टर्स को भी पीछे छोड़ दिया जिसका मतलब है उसने तो प्रा. `फेशनल एक्टर्स को भी पीछे छोड़ दिया है।

मेरा दिमाग थोड़ा सा टेढ़ा है, मुझे कुछ अलग करना पसंद है

कीर्ति कुल्हारी

बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'फुल प्लेट' के प्रीमियर के बाद, इसे भारत में रिलीज करने की दिशा में काम कर रहीं कीर्ति कुल्हारी कहती हैं, "आप अपना काम सिर्फ खुद के देखने के लिए नहीं करते। मन करता है कि पूरी दुनिया उसे देखे। जब हमने फिल्म शुरू की थी, तब साफ था कि इसका वर्ल्ड प्रीमियर किसी बड़े फिल्म फेस्टिवल में करेंगे। बुसान में लोगों को फिल्म पसंद आई। मैं केरल से समय निक. ालकर डेढ़ दिन के लिए वहां गई थी। अब चाहती हूं कि हमारे देश में भी लोग इस फिल्म को देखें।"

बस आगे बढ़ना है

'फुल प्लेट' में कीर्ति एक गृहिणी की भूमिका में हैं, जो रूढ़िवादी परंपराओं के बावजूद चुलबुले अंदाज में जिंदगी जीती है। ऐसे किरदार उनके पास कैसे आ जाते हैं, इस पर हंसते हुए वह कहती हैं, "हां, मेरा दिमाग थोड़ा सा टेढ़ा है। मुझे कुछ अलग करना पसंद है। एक कलाकार तभी कुछ नया कर सकता है, जब वह अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकले। केरल में जिसकी शूटिंग करके मैं आई हूं, लोगों ने मुझे उस भूमिका में पहले नहीं देखा होगा। अब मैं सिर्फ मजे के लिए काम करती हूं। मुझे ताकतवर या आत्मनिर्भर महिला होने का टैग नहीं लहराना। एक इंसान के तौर पर आपको आगे बढ़ते रहना होता हैकृमेरे लिए वही प्रेरणा है। 'फुल प्लेट' में मेरे कि. रदार अमरीन का खुद को तलाशने का अपना एक सफर है। उसकी अपनी आवाज और सोच है। मैं चाहूंगी कि हमारे समाज में हर महिला, बच्चों और बुजुर्गों की भी अपनी एक आवाज हो।"

अभिनय करना पसंद, लेकिन हर फिल्म नहीं कर सकता

आमिर खान

आमिर कहा कि उन्हें अभिनय करना ज्यादा पसंद है, लेकिन हर फिल्म का हिस्सा बनना संभव नहीं है। इसलिए वह ऐसी फिल्मों में निर्माता की भूमिका निभाते हैं। आमिर ने निजी चौनल के सत्र में भाग लिया। उनसे पूछा गया कि उन्होंने मुख्य भूमिक. ाओं से पीछे हटकर संक्षिप्त भूमिकाओं में दिखाई देने या फिल्म निर्माता बनने का विकल्प क्यों चुना तो आमिर ने कहा कि प्रोडक्शन में अलग ही मजा है। हालांकि मुझे अभिनय करना ज्यादा पसंद है, लेकिन मैं हर फिल्म खुद नहीं कर सकता। वह 'आमिर खान प्रोडक्शंस नामक प्रोडक्शन बैनर चलाते हैं। आमिर ने हाल ही में सितारे जमीन पर में अभिनय किया जो उनकी 2007 की फिल्म ष्तारे जमीन पर की अगली कड़ी थी।

क्रिसमस पर लौटेगा क्लासिक बॉलीवुड रोमांस, कार्तिक अनन्या की लव स्टोरी

इस क्रिसमस दर्शकों को मिलने वाला है एक खास सिनेमाई तोहफा। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपनी नई फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में एक बार फिर साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी और क्ला. सिक बॉलीवुड रोमांस की उसी पुरानी, मीठी वाइब को वापस लाने का वादा करती है, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते रहे हैं। दोनों की सहज, ताजगी भरी केमिस्ट्री एक बार फिर बड़े पर्दे पर जादू बिखेरने वाली है।

पुरानी यादों जैसा प्यार

फिल्म में रोमांस बिल्कुल पुरानी रूह वाला है सीधा–सादा, दिल को छूने वाला और बिना किसी भारी–भरकम ड्रामा के। कार्तिक अपनी ट्रेडमार्क रोमांटिक–कॉमेडी स्टाइल में नजर आएंगे, वहीं अनन्या अपनी मजबूत और ग्रा. उंडेड परफॉर्मेंस के साथ कहानी में एक ताजा, ईमानदार एहसास जोड़ेंगी। दोनों का रिश्ता स्क्रीन पर गर्मजोशी, हल्की–फुल्की नोकझोंक और दिल छू लेने वाली मासूमियत से भरा नजर आएगा, जो क्रिसमस की रोशनी में और भी खूबसूरत बन जाता है।

खूबसूरत लोकेशंस और क्रिसमस स्पिरिट से भरपूर फिल्म

क्रोएशिया और भारत की मनमोहक खू. बसूरत लोकेशंस पर फिल्माई गई यह कहानी एक त्योहारों से भरी पोस्टकार्ड जैसी दुनिया तैयार करती है रंगों से सजी, संगीत में लिपटी और ऐसी छोटी–छोटी पलों से भरी, जो चेहरे पर मुस्कान ला दें। निर्देशक समीर विदवान्स द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस व नमः पिक्चर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म क्रिसमस 2025 के लिए एक गर्मजोशी भरा, दिल को सुकून देने वाला अनुभव पेश करने वाली है।

सर्दियों में रात को चेहरे पर लगाएं ये खास नुस्खे

सर्दियों में त्वचा रूखी, बेजान और डल दिखने लगती है। ऐसे में नाइट स्किनकेयर रूटीन बेहद जरूरी हो जाता है। रात के समय हमारी त्वचा रिपेयर मोड में होती है, इसलिए सही चीज़ें लगाकर सोने से सुबह आपके चेहरे पर नेचुरल ग्लो दिखता है। यहां जानें रात में क्या लगाने से आपकी स्किन चमकदार, सॉफ्ट और हेल्दी बन जाएगी।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल रातभर का एक नैचुरल मॉइस्चराइज़र है, जो सूखी त्वचा में गहरी नमी भरकर उसे हेल्दी ग्लो देता है। चेहरे को हल्के फेसवॉश से साफ करें और पतली लेयर में एलोवेरा जेल लगाएँ। इसे रातभर लगा रहने दें। सुबह उठकर चेहरा धोएँकृस्किन बेहद सॉफ्ट, फ्रेश और ग्लोइंग दिखेगी।

विटामिन–ई ऑयल

विटामिन–ई ऑयल त्वचा की गहराई तक जाकर उसे रिपेयर करता है और नेचुरल डीप ग्लो लाता है। कैप्सूल को फोड़कर 2–3 बूंद चेहरे पर लगाएँ और हल्के हाथों से मसाज करें। यह खासकर ड्राई स्किन के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि यह त्वचा में नमी लॉक कर पूरे चेहरे को मुलायम और चमकदार बना देता है।

नाइट क्रीम

नाइट क्रीम सर्दियों में त्वचा के ओवरनाइट रिपेयर के लिए बेहद ज़रूरी होती है। यह स्किन को गहराई से पोषण देती है और सुबह चेहरे पर नेचुरल ग्लो लाती है। बेहतर परिणामों के लिए ऐसी नाइट क्रीम चुनें, जिसमें हायलूरॉनिक एसिड से हाइड्रेशन, नायसिनामाइड से स्किन ब्रा. इटनिंग और विटामिन ब से नेचुरल शाइन का फायदा मिले। यह ठंड में ड्राई और बेजान त्वचा को फिर से हेल्दी बनाती है।

घी

घी सर्दियों में त्वचा को ग्लास जैसा ग्लो देने वाला एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा है। इसकी नैचुरल फैटी एसिड्स स्किन को गहराई से पोषण देते हैं और ड्रायनेस तुरंत दूर करते हैं। बस एक चुटकी घी लेकर चेहरे पर हल्का मसाज करें और 15 मिनट बाद टिश्यू से थोड़ा ब्लोट कर दें। रातभर स्किन इसे अच्छी तरह सोख लेती है, जिससे सुबह चेहरा मुलायम, चमकदार और ग्लोइंग दिखता है।

रोज़हिप ऑयल

रोज़हिप ऑयल रात में लगाने के लिए एक शानदार स्किन केयर ऑयल माना जाता है। यह त्वचा को नेचुरल ग्लो देता है, दाग–धब्बों को हल्का करता है और एंटी–एजिंग में भी बेहतरीन काम करता है। बस 2–3 बूंद रोज़हिप ऑयल लेकर हल्के हाथों से चेहरे पर मसाज करें और रातभर लगा रहने दें। इससे स्किन मॉइस्चराइज़, चमकदार और यूथफुल दिखाई देती है।

ग्लिसरीन. गुलाबजल

ग्लिसरीन. गुलाबजल एक आसान और प्रभावी होम सीरम है, जो खासकर सर्दियों में ड्राई स्किन के लिए वरदान माना जाता है। इसे बनाने के लिए 1 चम्मच ग्लिसरीन में 2 चम्मच गुलाबजल मिलाएँ और रात में चेहरे पर लगाएँ। यह स्किन को गहराई तक हाइड्रेट करता है और सुबह त्वचा बेहद मुलायम, चमकदार और प्लंप दिखती है।

मॉइस्चराइज़र. फेस ऑयल कॉम्बो

सर्दियों में त्वचा को एक्स्ट्रा हाइड्रेशन देने के लिए मॉइस्चराइज़र. फेस ऑयल का कॉम्बो बेहद असरदार होता है। पहले चेहरे पर मॉइस्चराइज़र लगाएं, फिर उसके ऊपर फेस ऑयल की कुछ बूंदें लगा दें। यह लेयरिंग रातभर स्किन में नमी लॉक रखती है, जिससे सुबह चेहरा ज्यादा मुलायम, दवनतपीमक और ग्लोइंग दिखाई देता है।

बार–बार खाने की आदत कर रही पाचन शक्ति को कमजोर

खाना सिर्फ पेट भरने का साधन ही नहीं बल्कि शरीर को ऊर्जा और बल देने का प्राकृतिक तरीका है। दिन में तीन समय का भोजन शरीर के लिए अमृत समान होता है और बीमारियों से बचाता है, लेकिन आज के समय में ये माना जाने लगा है कि थोड़ा–थोड़ा खाते रहना ही अच्छे स्वास्थ्य की निशानी है, लेकिन ये धारणा गलत है। आयुर्वेद में भोजन को संस्कार, साधना और बल से जोड़कर देखा गया है। आयुर्वेद कहता है स्वास्थ्य भोजन की मात्र से नहीं, भोजन के समय से बनता है।

भोजन को शरीर में पचने में समय लगता है और उस दौरान दोबारा कुछ खा लिया जाता है, तो पेट की पाचन अग्नि कम. जोर हो जाती है। पेट की पाचन अग्नि ही निर्धारित करती है कि खाना अच्छे से पचने के बाद वह पाचन रस बनेगा या फिर सड़ जाएगा। अगर पाचन अग्नि तेज है तो खाना पचाने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी और अगर कमजोर है तो खाना पेट में ही सड़ना शुरू हो जाता है, क्योंकि पेट के एंजाइम खाने को अच्छे से तोड़कर पाचन रस में नहीं बदल पाते हैं। इससे फिर पेट संबंधी परेशानी जैसे गैस बनना, पेट का फूलना और कब्ज की परेशानी होती है।

एच1बी वीजा एक लाख डॉलर फीस को 19 राज्यों की चुनौती

न्यूयॉर्क (एजेंसी) : अमे. रिका के 19 राज्यों ने नये एच–1बी वीजा आवेदनों पर एक लाख डॉलर शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के फैसले को गैरकानूनी बताते हुए मुकदमा दायर किया है। राज्यों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी बढ़ जाएगी।

न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने 18 अन्य अटॉर्नी जनरल के साथ मिलकर शुक्रवार को मै. साचुसेट्स के अमेरिकी जिला न्यायालय में यह मुकदमा दायर किया। उन्होंने कानूनी अधिकार या उचित प्रक्रिया के बिना एच–1बी शुल्क में भारी बढ़ोतरी किए जाने को चुनौती दी है।

एच–1बी वीजा कार्यक्रम के तहत उच्च कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को अमेरिका में काम करने की अस्थायी रूप से अनुमति मिलती है और भारतीय नागरिक इसका व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। मुकदमे में दलील दी गई है कि नये शुल्क से उन सरकारी और गै–लाभकारी नियोक्ताओं के लिए व्यावहारिक रूप से मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए एच–1बी वीजा धारकों पर निर्भर हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ–16 लड़ाकू विमान के लिए उन्नत तकनीक बेचने को मंजूरी दी

न्यूयॉर्क– अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ–16 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत तकनीक और सहायता बेचने को मंजूरी दे दी है, जिसका मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर है।

बृहस्पतिवार को 'डॉनश अखबार की खबर के मुता. बिक, अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने सा. मवार को संसद को भेजे गए एक पत्र में इस बिक्री को मंजूरी दी है। इस पैकेज में लिंक–16 सिस्टम, क्रिप्टोग्राफिक उपकरण, एवियो. निक्स अपडेट, प्रशिक्षण और व्यापक साजोसामान संबंधी सहायता शामिल है।

डीएससीए के पत्र में इस बिक्री का कारण स्पष्ट किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह कदम ''अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान को आतंकवाद–रोधी अभियानों और भविष्य की आकस्मिक परिस्थितियों की तैयारी में अमे. रिकी और साझेदार बलों के साथ अंतर–परिचालन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

कनाडा में टो–ट्रक गैंग की फायरिंग केस में तीन भारतीय सगे भाई गिरफ्तार, एक आरोपी फरार

टोरंटो – कनाडा के आ. टारियो प्रांत में टो–ट्रक कारोबार से जुड़े दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने तीन भारतीय मूल के सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, इस घटना में फायरिंग करने वाला मुख्य आरोपी अब भी फरार है। पील रीजनल पुलिस ने घटना का वीडियो फुटेज भी जारी किया है। यह गोलीबारी 7 अक्टूबर को स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 10रू45 बजे ब्र. म्पटन में मैकवीन ड्राइव और कैसलमोर रोड के पास एक पार्किंग स्थल में हुई। पुलिस के मुताबिक, दो अलग–अलग समूहों के बीच विवाद के

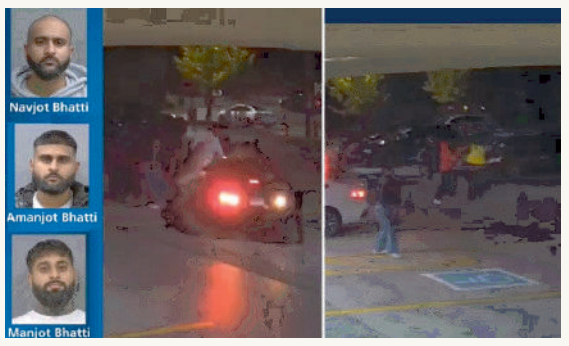

दौरान गोलियां चलीं, जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ, हालांकि उसकी चोटें गंभीर नहीं बताई गईं।पुलिस की लंबी जांच के बाद इस मामले में एक समूह से जुड़े तीन ला. गों की पहचान की गई। 20 नवंबर को अधिकारियों ने कै. लिडन इलाके के एक मकान पर सर्च वारंट के तहत छापेमारी की, जिसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मंजोत भट्टी, नवजोत भट्टी और अमनजोत भट्टी के रूप में हुई है। तीनों सगे भाई बताए जा रहे हैं।

म्यांमा में दहशत की रातय अस्पताल पर एयरस्ट्राइक, मरीजों समेत 34 लोगों की मौत

म्यामां – म्यामां की सेना के हवाई हमले में एक प्रमुख विद्रोही सशस्त्र बल के नियंत्रण वाले क्षेत्र में स्थित एक अस्पताल नष्ट हो गया और इस हमले में 34 मरीज

और चिकित्सा कर्मचारी मारे गए।

खबरों के अनुसार पश्चिमी राज्य रखाइन के जातीय अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले क्षेत्र म्राउक–यू टाउनशिप में बुधवार रात को हुए एक जनरल अस्पताल पर हमले में लगभग 80 अन्य लोग घायल हो गए। सत्ताधारी सेना ने इलाके में किसी भी हमले की कोई खबर नहीं दी है।

रखाइन में बचाव सेवाओं के एक वरिष्ठ अधिकारी वाई हुन आंग ने श्एसोसिएटेड प्रेसश को बताया कि एक जेट लड़ाकू विमान ने रात 9:13 बजे दो बम गिराए, जिनमें से एक अस्पताल के रिकवरी वार्ड में गिरा और दूसरा अस्पताल की मुख्य इमारत के पास गिरा।

उन्होंने बताया कि वे सहायता प्रदान करने के लिए बृहस्पतिवार तड़के अस्पताल पहुंचे और 17 महिलाओं और 17 पुरुषों की मौत दर्ज की। उन्होंने कहा कि बमों से अस्पताल की अधिकांश इमारत नष्ट हो गई और अस्पताल के पास खड़ी टैक्सियों और मोटरसाइकिलों को भी

चीन में कंडोम पर टैक्स!

चीन तीन दशकों से भी अधिक समय में पहली बार जल्द गर्भनिरोधक दवाओं और उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूलना शुरू करेगा। यह कदम दशकों तक अधिकतर परिवारों को एक बच्चे तक सीमित रखने के बाद उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के बीजिंग के प्रयासों के अनुरूप है।

देश के नवीनतम मूल्य वर्धित कर कानून के अनुसार, एक जनवरी से ''गर्भनिरोधक दवाएं और उत्पादश्श कर–छूट की श्रेणी में नहीं रहेंगे। 'कंडोमश जैसे उत्पादों पर भी 13 प्रतिशत का सामान्य वैट लगेगा। बहरहाल, सरकारी मीडिया ने इस बदलाव को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है लेकिन यह विषय चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है।

लोग मजाक में कह रहे हैं कि कोई बेवकूफ ही होगा

जिसे यह समझ न हो कि बच्चा पालना, कर लगे कंडोम खरीदने से कहीं ज्यादा महंगा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गर्भनिरोधकों की कीमत बढ़ने से अनियोजित गर्भधारण और यौन संक्रमित रोगों में वृद्धि हो सकती है।

1980 से 2015 तक लागू रही चीन की एक–संतान नीति के दौरान भारी जुर्माने, दंड और कभी–कभी जबरन गर्भपात तक कराए जाते थे। तय सीमा से अधिक जन्मे बच्चों को कई बार पहचान संख्या नहीं दी जाती थी, जिससे वे प्रभावी रूप से ''गैर–नागरिकश्श बन जाते थे।

सरकार ने 2015 में एक बच्चे की सीमा को बढ़ाकर दो कर दिया और फिर जनसंख्या में गिरावट के कारण 2021 में इसे तीन कर दिया। लंबे समय तक गर्भनिरोधक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाता रहा और यह अक्सर मुफ्त में उपलब्ध रहती थीं।

जनसांख्यिकी विशेषज्ञ कियान काई के अनुसार, 13 प्रतिशत कर से जन्मदर बढ़ाने में कोई खास असर नहीं होगा क्योंकि जो लोग बच्चे नहीं चाहते, वे इस कर से अपना निर्णय नहीं बदलेंगे। चीन में ज्यादातर गर्भनिरोध की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है।

16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चला पाएंगे सोशल मीडिया, सरकार ने लगाया बैन

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया ने देश में बच्चों के बीच सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

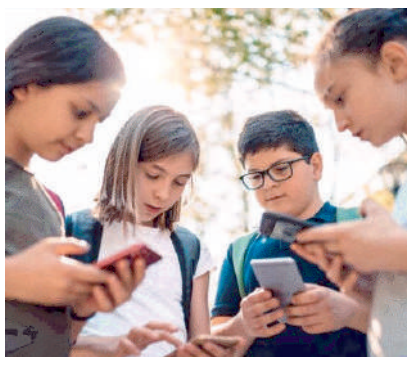

इस प्रतिबंध के साथ, ऑस्ट्रेलिया बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। इसने बच्चों को टिकटॉक, यूट्यूब और इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे अन्य प्लेटफार्मों से वंचित कर दिया है।

नकारात्मक प्रभाव में कमी आएगी

सरकार का कहना है कि इससे सोशल मीडिया के नक. ारात्मक प्रभाव में कमी आएगी। इसे प्रतिबंधित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह युवाओं को स्क्रीन पर अत्यधिक समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे वे उन साम. ग्रियों के संपर्क में भी आते हैं जो उनके स्वास्थ्य और विकास को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव

ढाका – बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को आम चुनाव होंगे. इस तरह से अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के

पतन के बाद यह पहला चुनाव होगा.

चीफ इलेक्शन कमिश्नर नासिर उद्दीन ने गुरुवार को देश के नाम एक संबोधन में कहा, ष्वोटिंग 12 फरवरी, 2026 को सुबह 7:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगी.

चीफ एडवाइजर मुहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाले नेशनल कंसेंसस कमीशन के कई सुधार प्रस्तावों पर जनता की राय जानने के लिए वोटिंग वाले दिन एक रेफरेंडम भी होगा.

यह घोषणा नासिर उद्दीन की प्रेसिडेंट मोहम्मद शहाबुद्दीन से मुलाकात के एक दिन बाद हुई. उन्होंने, उन्हें आम चुनाव ष्स्वतंत्र, निष्पक्ष और सार्थकष तरीके से कराने के लिए ष्पूरा सपोर्ट और सहयोगष का भरो. सा दिया. चुनाव और रेफरेंडम को सफल बनाने के लिए पॉलिटिकल पार्टियों, उम्मीदवारों और वोटरों से ष्ईमानदारी से हिस्सा लेने और एक्टिव सहयोगष करने की अपील की. पिछले आम चुनाव जनवरी 2024 में हुए थे. हसीना ने विवादों और बड़ी पार्टियों के बॉयकॉट से घिरे चुनाव जीते थे.

हसीना की जीत के 6 महीने बाद, उनकी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए. हिंसक सड़क प्रदर्शनों की वजह से हसीना को 5 अगस्त, 2024 को भारत जाना पड़ा. तीन दिन बाद, यूनुस ने अंत. रिम सरकार के चीफ एडवाइजर का पद संभाला. अंतरिम सरकार ने एंटी–टेररिज्म कानून के तहत हसीना की अवामी लीग की सभी एक्टिविटी पर बैन लगा दिया है. 78 साल की हसीना को पिछले साल जुलाई–अगस्त में हुए बड़े विद्रोह के दौरान किए गए ष्इंसानियत के खिलाफ अपराधोंष के लिए दोषी ठहराया गया है और मौत की सजा सुनाई गई है. वह भारत में रह रही हैं. उन्होंने चेतावनी दी है कि उनकी पार्टी के बिना चुनाव कराना और बंटवारे के ष्बीज बोनाष होगा, और उनके बहुत सारे सपोर्टर वोटिंग से दूर रहेंगे. गुरुवार को अपने ग हैंडल पर पोस्ट किए गए एक बयान में, अवामी लीग ने ष्गैर–कानूनी सरकार के गैर–कानूनी चुनाव आयोगष द्वारा घोषित चुनाव शेड्यूल को खारिज कर दिया.

हाईवे पर चलती कार के ऊपर गिरा प्लेन

क्रैश लैंडिंग का वीडियो दुनियाभर में वायरल

न्यूयॉर्क– आपने हाईवे पर हादसे तो बहुत देखे होंगे। किसी वाहन को दूसरे वाहन को टक्कर मारते देखा होगा। लेकिन अब आप आसमान से नीचे आते एक प्लेन को कार से टकराते हुए देखेंगे। टकराते क्या बल्कि कार पर गिरते हुए देखने वाले हैं। दरअसल अमे. रिका के फ्लोरिडा शहर से एक भयावह हादसा सामने आया है। यहां सेफ क्रैश लैंडिंग की को. शिश में एक प्लेन सड़क पर चलती कार के ऊपर आ गिरा। इस हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं प्लेन भी डैमेज हुआ।

हालांकि जानकारी मिल रही है कि इस हादसे में किसी की भी जान नहीं गई है। इस मिनि प्लेन में पायलट के अलावा 2 यात्री मौजूद थे। जो कि सुरक्षित बताए जा रहे हैं। इसके अलावा कार चला रहे एक शख्स को मामूली चोटें आईं हैं। बताया जाता है कि यह सिंगल–इंजन सेसना 152 प्लेन था। जिसका अचानक इंजन फेल हो गया। इसके बाद पायलट ने समझदारी से हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग की को. शिश की और इस दौरान प्लेन क्रैश लैंडिंग में एक कार के ऊपर ही लैंड कर गया। यानि लगभग कार के ऊपर ही आ गिरा।

अमेरिका की युनिवर्सिटी में ताबड़तोड़ फायरिंग, 2 की मौत, कई घायल

अमेरिका के रोड आइलैंड स्थित प्रतिष्ठित ब्राउन यूनिवर्सिटी में शनिवार दोपहर उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब फाइनल एग्जाम के दौरान एक अज्ञात हमलावर ने इंजीनियरिंग बिल्डिंग में अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस दिल दहला देने वाली घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुता. बिक अमेरिका की यूनिवर्सिटी में हुए इस हादसे के सभी घायलों को रोड आइलैंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। घटना यूनिवर्सिटी के बारुस एंड होली बिल्डिंग में हुई, जो स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और फिजिक्स डिपार्टमेंट का हिस्सा है।

यूनिवर्सिटी ने जारी किया अलर्ट

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोपहर के समय जब इंजीनियरिंग डिजाइन के फाइनल एग्जाम चल रहे थे, तभी काले कपड़ों में एक शख्स बिल्डिंग में दाखिल हुआ और

अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही पूरे कैंपस में दहशत फैल गई।

गोलीबारी की सूचना मिलते ही ब्राउन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने तुरंत एक्टिव शूटर अलर्ट जारी कर दिया। छात्रों और स्टाफ को तुरंत दरवाजे बंद करने, फोन साइलेंट करने और सुरक्षित स्थानों पर छिपने की सलाह दी गई। कई छात्रों ने क्लासरूम और लैब में लाइटें बंद कर डेस्क के नीचे शरण ली। कुछ ही मिनटों में पूरा कैंपस सन्नाटे में बदल गया।

यूनिवर्सिटी को सील किया

यूनिवर्सिटी के सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया। कैंपस के सभी प्रवेश और निकास द्वार सील कर दिए गए और आसपास के इलाकों में शेल्टर–इन–प्लेस का आदेश जारी किया गया।

प्रॉविडेंस शहर के डिप्टी चीफ ऑफ पुलिस टिमोथी ओ'हारा ने बताया कि हमलावर एक पुरुष है, जिसने काले रंग के कपड़े पहन रखे थे। गोलीबारी के बाद वह बिल्डिंग से निकलकर होप स्ट्रीट की ओर भाग गया। घटना के तीन से चार घंटे बाद भी पुलिस कैंपस की हर इमारत की तलाशी लेती रही और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

यूनिट 731 द्वारा किए गए अपराधों से संबंधित फाइलों का एक नया बैच जारी

13 दिसंबर को, चीन के केंद्रीय अभिलेखागार ने रूस द्वारा चीन को हस्तांतरित की गई सोवियत संघ द्वारा जापानी यूनिट 731 के पूछताछ से संबंधित अवर्गीकृत अभिलेखीय सामग्रियों का एक बैच जारी किया। इन सामग्रियों में यूनिट 731 के सदस्यों के पूछताछ रिकॉर्ड, यूनिट 731 के अपराधों पर जांच रिपोर्ट और 11 मई, 1939 से 25 दिसंबर, 1950 तक की अवधि के आंतरिक सोवियत आधिकारिक पत्राचार शामिल हैं। ये फाइलें मुख्य रूप से खाबरोवस्क मुकदमे के अभिलेखागार पर आधारित हैं, जिनमें मुकदमे से पहले, मुकदमे के दौरान और मुकदमे के बाद के चरण शामिल हैं। पहली बार, ये फाइलें खाबरोवस्क मुकदमे से पहले की अवधि में सोवियत पूछताछ प्रक्रिया का खुलासा करती हैं, जिसमें यूनिट 731 के अपराधों से जुड़े 200 से अधिक व्यक्तियों की पहचान की गई है, प्रमुख युद्ध अपराधियों और गवाहों की पहचान की गई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः 12 युद्ध अपराधियों का सार्वजनिक मुकदमा चला। कुछ पूछताछ के रिकॉर्ड पहली बार जारी किए गये हैं, और इन युद्ध अपराधियों ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों के उल्लंघन और जीवाणु युद्ध की तैयारी और उसे अंजाम देने का अपराध स्वीकार किया। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस द्वारा हस्तांतरित अभिलेखागार चीन में संरक्षित यूनिट 731 के अवशेष और यूनिट 731 के अपराधों के अभिलेखागार के पूरक हैं और अकाट्य ऐतिहासिक साक्ष्यों के जरिए चीन पर आक्रमण के दौरान जापान द्वारा किए गए जीवाणु युद्ध के अपराधों को पुष्ट करते हैं।

अमेरिका की सिटीजनशिप अब 9 करोड़ रुपए में मिलेगी, ट्रम्प गोल्ड कार्ड लागू

न्यूयॉर्क– अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को अपने महत्वाकांक्षी इमिग्रेशन और निवेश आधारित वीज़ा कार्यक्रम के तहत 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड' के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की औपच. ारिक घोषणा कर दी। अब भारतीय 9 करोड़ रुपए फीस जमा कर के अमेरिका की नागरिकता हासिल कर सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा के बाद आज से दुनियाभर के आवेदक इस प्रीमियम वीज़ा कैटेगरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसकी कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) रखी गई है, जबकि कॉर्पोरेट कंपनियों के लिए शुल्क 2 मिलियन डॉलर (करीब 18 करोड़) होगा।

धनी निवेशक अमेरिका में आएंगे

ट्रम्प प्रशासन का दावा है कि यह नया वीज़ा मॉडल अमे. रिका फर्स्ट नीति के तहत तैयार किया गया है, जिसका मकसद दुनिया भर से श्रेष्ठ प्रतिभाओं और धनी निवेशकों को अमेरिका में आकर्षित करना है। इस कार्यक्रम के जरिए अमेरिका विदेशी निवेश, रोजगार और वैज्ञानिकश्शैक्षणिक प्रतिभा को बढ़ावा देने की उम्मीद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने फरवरी 2024 में इस 'गोल्ड कार्ड' वीज़ा प्रोग्राम की पहली घोषणा की थी। उस समय कार्ड की कीमत 5 मिलियन डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) बताई गई थी। लेकिन वैश्विक प्रतिक्रिया और नि. वेशकों की सुझावों को ध्यान में रखते हुए, सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया गया।

इसके लिए क्या करना होगा?

इसके बाद से निवेशकों और उच्च कौशल वाली प्रतिभाओं के लिए इसे एक आकर्षक विकल्प माना जा रहा है, क्योंकि यह उन्हें अमेरिका में स्थायी निवास जैसा दर्जा देने वाली स्कीम है, लेकिन नागरिकता के अधिकारों (जैसे पासपोर्ट, वोट) के बिना।

चीनी विदेश मंत्री ने की यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री के साथ बैठक

न्यूयॉर्क– चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इसके अवसर पर वांग यी ने कहा कि चीन और यूएई प्राकृतिक साझेदार हैं। दोनों देशों के बीच 40 वर्षों से अधिक समय से मजबूत संबंध रहे हैं, जो द्विपक्षीय नेतृत्व की मजबूत मित्रता तथा ऊर्जा, व्यापार, निवेश एवं लोगों के बीच आदान–प्रदान जैसे क्षेत्रों में ठोस सहयोग पर आधारित हैं। चीन अरब पक्ष के साथ "बेल्ट एंड रोड" सहयोग को गहरा करने, नई ऊर्जा और तकनीकी नवाचार जैसे नए क्षेत्रों का पता लगाने तथा दूसरे चीन–अरब शिखर सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने में मिलकर काम करने को तैयार है।

कोलकाता में प्रशंसकों ने मचाया उत्पात, मैदान पर बोतलें फेंकी, बैनर और होर्डिंग भी फाड़े

नई दिल्ली – फुटबॉल के दीवानों के लिए जो आयोजन जीवन में एक बार मिलने वाला शानदार नजारा बनने वाला था, वह शनिवार को अरा. जकता में बदल गया क्योंकि बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसक ने अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेस्सी की एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में यहां के साल्ट लेक स्टेडियम के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

मेस्सी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचा. रित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी यह पहली उप. स्थिति थी लेकिन यह एक अव्यवस्थित घटना बन गई। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़–फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया। इस कार्यक्रम को फुटबॉल के महानतम वैश्विक सितारों में से एक के उत्सव के रूप में प्रच. ारित किया गया था लेकिन यह पूरी

तरह से अराजकता में बदल गया। विश्व कप विजेता कप्तान मेस्सी अपने लंबे समय के साथी लुइस सुआरेज और अर्जेंटीना के टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल के साथ सुबह करीब 11.30 बजे स्टेडियम पहुंचे।

उनका वाहन मैदान के एक कोने में पार्क किया गया था। मैदान पर उनके कदम रखते ही वह आयोजकों, मशहूर हस्तियों और सुरक्षा कर्मियों की भीड़ में घिर गए, जिससे गैलरी में बैठे सामान्य दर्शक एक झलक देखने के लिए तरसते रह गए।

मेस्सी ने मैदान पर थोड़ी दूर चहलकदमी की और 'मेस्सी, मेस्सीश के नारों के बीच दर्शकदीर्धा की ओर हाथ हिलाया। प्रशंसकों को हालांकि जल्द ही एहसास हो गया कि यह फुटबॉल खिलाड़ी सुरक्षा और आमंत्रित मेहमानों के कड़े घेरे में हैं, जिससे वह गैलरी के बड़े हिस्सों से मुश्किल से दिखाई दे रहे थे। कई लोगों ने शिकायत की कि वह विशाल स्क्रीनों पर भी साफ दिखाई नहीं दे रहे थे।

मेस्सी के मुंबई दौरे को लेकर हाई अलर्ट, स्टेडियम में बोतल, सिक्के और धातु वस्तुओं पर रोक

अर्जेंटीना के सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के रविवार को मुंबई दौरे को देखते हुए शहर की पुलिस ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं और अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम के भीतर पानी की बोतलें, धातु की वस्तुएं और सिक्के ले जाने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस ने कहा कि इनके साथ ही भीड़ पर नजर रखने के लिए 'वॉच टावरश भी लगाए जाएंगे। पुलिस ने कहा कि किसी भी तरह की भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और शनिवार को कोलकाता में मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में हजारों प्रशंसकों ने विरोध प्रदर्शन किया था क्योंकि मंहगे टिकट खरीदने के बावजूद उन्हें फुटबॉल आइकन की झलक नहीं मिल पाई थी। मेस्सी के रविवार को मुंबई में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (ब्रेबोर्न स्टेडियम) में 'पैडल जीओएटी कपश कार्यक्रम में शामिल होने के बाद एक सेलिब्रिटी फुटबॉल मैच में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

गिल पर बढ़ता दबावः सहायक कोच टेन डोएशे बोले– आईपीएल वाली आजादी से खेलें शुभमन

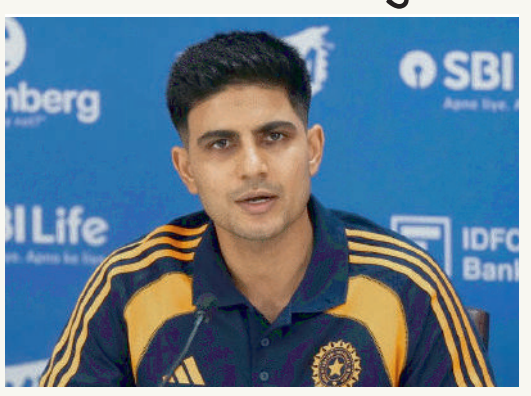

नई दिल्ली – भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा कि स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने टी20 में वापसी के बाद से खुद पर बहुत अधिक बोझ ले लिया है और टीम चाहती है कि वह आईपीएल की तरह ही खुलकर बल्लेबाजी करें। गिल ने सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी की थी। उन्होंने शीर्ष क्रम में संजू सैमसन की जगह ली, लेकिन वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिससे अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठने लग गए हैं।

भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में हार के बाद टेन डोएशे संवाददाताओं से कहा कि गिल को सबसे छोटे प्रारूप में थोड़ा सहज होने की जरूरत है और उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिर में इसके संकेत दिखाए थे। टेन डोएशे ने पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा कि इंग्लैंड में जिस तरह से उन्होंने कप्तानी संभाली और जिस तरह से उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया उसकी कुछ झलक टी20 टीम में उनके इरादों में दिखती है। अगर कुछ था तो वह कुछ ज्यादा ही परवाह करने वाले खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को लेकर शायद कुछ थोड़ा ज्यादा सख्त हो गए।

विनेश फोगाट ने की संन्यास से वापसी

नई दिल्ली – भारत की शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कहा कि उनका जोश और जज्बा अब भी पहले की तरह कायम है। वह 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में एक बार फिर से ओलंपिक पदक जीतने के लिए संन्यास से वापसी करेगी।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतना लक्ष्य

इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में मिली निराशा के बाद खेल से दूरी बना ली थी। पेरिस ओलंपिक में उन्हें महिलाओं के 50 किलोग्राम वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले निर्धारित वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने खेल पंचाट (सीएएस) में संयुक्त रूप से रजत पदक देने की मांग की थी, लेकिन फैसला नहीं बदला गया, जिसके चलते उन्होंने संन्यास की घोषणा की और राजनीति में प्रवेश किया।

जूनियर हॉकी विश्व कप रू भारत ने अर्जेंटीना को 4–2 से हराकर कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली – आखिरी 11 मिनट में चार गोल करके भारत ने 2021 की चौम्पियन अर्जेंटीना को बुधवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में 4–2 से हराकर नौ साल बाद जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पदक जीत लिया। दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) में चौम्पियन रही भारतीय टीम ने आखिरी बार नौ साल पहले कोई पदक जीता था। पिछले दो बार टीम कांस्य पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारत के लिये अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। वहीं अर्जेंटीना के लिये निकोलस रौद्रिगेज (पांचवां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44वां) ने गोल किये। तीन क्वार्टर तक दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर में दनादन चार गोल करके खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मानो जान फूंक दी ।

शादी टूटने के बाद बोलीं स्मृति मंधाना

क्रिकेट से ज्यादा मुझे किसी और चीज से प्यार नहीं

नई दिल्ली – भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना अपनी शादी स्थगित होने के बाद पहली बार सार्वजनिक मंच पर नजर आईं। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मंधाना कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ मौजूद थीं। इस दौरान मंधाना ने कहा कि क्रिकेट से ज्यादा अहमियत वह अपनी जिंदगी में किसी भी दूसरी चीज को नहीं देतीं। बस गेंद देखना है और मारना है।

स्मृति मंधाना ने कहा, "मैं हमेशा से एक साधारण इंसान रही हूं। किसी चीज को लेकर मैंने अपनी जिंदगी को कभी मुश्किल नहीं बनाया है। लोग हमारे बारे में मैदान पर चल रही चीजों को देखकर धारणा बनाते हैं, लेकिन मैं इस पर विश्वास नहीं करती। कैमरे के पीछे हम जो मेहनत करते हैं, वह मेरे लिए ज्यादा मायने रखता है। मैं किसी चीज को लेकर अच्छा या बुरा महसूस कर सकती हूं, लेकिन हम जो भी तैयारी करते हैं, मैदान पर वह परिणाम के रूप में दिखता है। पिछले 2 साल में हमने इसी धारणा के आधार पर क्रिकेट खेला है और आगे भी यही योजना है। इसी आधार पर हमें परिणाम भी मिले हैं।";उन्होंने कहा, "मुझे क्रिकेट से ज्यादा किसी और चीज से प्यार नहीं है। जब आप फील्ड पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए जाते हैं, तो इससे ज्यादा अहम कुछ भी नहीं हो सकता। आप सिर्फ भारत के लिए मैच जीतना चाहते हैं। जब हम भारतीय टीम की जर्सी पहनते हैं, तो अपनी हर समस्या को भूल जाते हैं। आप करोड़ों में से एक हैं, जो देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह विचार आपका ध्यान क्रिकेट पर केंद्रित करने के लिए काफी है।"

वनडे रैंकिंग : कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे, रोहित शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली – विराट कोहली अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की एकदिवसीय शृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत उनकी रैंकिंग में दो स्थान का सुधार हुआ। वहीं, रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में 146 रन बनाकर रैंकिंग के शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। रोहित के 781, जबकि कोहली के 773 रेटिंग अंक हैं। शुभमन गिल चोट के कारण तीन मैच की शृंखला में नहीं खेल पाने के बावजूद पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। उनकी गै. रमौजूदगी में टीम की अगुआई करने वाले

लोकेश राहुल दो स्थान के फायदे से 12वें पायदान पर हैं। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), एडेन मारक्रम (चार पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) और तेम्बा बावुमा (तीन पायदान ऊपर 37वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टी–20 मुकाबले में 51 रनों से हराया, सीरीज 1–1 से बराबर

नई दिल्ली – भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी–20 आज मुल्लांपुर में हो रहा है। भारतीय टीम पहले ही पांच मैचों की इस सीरीज में 1–0 से आगे चल रही है और अब उसकी नजरें जीत की लय बरकरार रखने पर है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। भारत ने इस मुकाबले के लिए प्लेइंग–11 में कोई बदलाव नहीं किया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच के लिए एकादश में तीन बदलाव किए हैं।

क्विंटन डिकॉक के बाद ओटेनिल बा. र्टमैन की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टी20 मैच में 51 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने डिकॉक के शानदार अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह पांच मैचों की सीरीज में 1–1 की बराबरी कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने जीत के लिए 214 रनों का लक्ष्य रखा है। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डिकॉक ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाए। डिकॉक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों पर पांच चौ. कों और सात छक्कों की मदद से 90 रन बनाए। अंत में डेविड मिलर और डोनोवान फेरेरा ने पांचवें विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 200 के पार पहुंचा।

इस मैच में डिकॉक अलग ही रंग में नजर आए और उन्होंने शानदार पारी खेली। हालांकि, वह शतक लगाने से चूक गए। अंत के ओवरों में फेरेरा और मिलर

ने आक्रामक बल्लेबाजी की और दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 53 रन जोड़े। बुम. राह के आखिरी ओवर में 18 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने भारत के सभी गेंदबाजों को निशाना बनाया। भारत के लिए सिर्फ वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल को ही सफलता मिली, बाकी अन्य गेंदबाज खाली हाथ रहे। वरुण को दो और अक्षर को एक विकेट मिला।

भारत के लिए इस मैच में सबसे महंगे अर्शदीप सिंह रहे जिन्होंने चार ओवर में 54 रन दिए और एक भी विकेट नहीं ले सके। दिलचस्प बात यह रही कि उन्होंने अपने स्पैल में नौ वाइड गेंद डाली और उनकी इकॉनोमी 13.50 की रही। हार्दिक टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे करने से एक कदम दूर थे, लेकिन इस मैच में सफलता नहीं मिलने से उनका 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरा करने का इंतजार बढ़ गया है। दक्षिण अफ्रीका के लिए डिकॉक के अलावा कप्तान एडेन मार्करम ने 29 रन, डेवाल्ड ब्रेविस ने 14 और रीजा हेंड्रिक्स ने आठ रन बनाए। वहीं, फेरेरा 16 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्के की मदद से नाबाद 30 और डेविड मिलर 12 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

हॉकी को ऊँचाइयों तक पहुँचाने में बलवंत सिंह कपूर यादगारी हॉकी टूर्नामेंट का बड़ा योगदान – संत सीचेवाल'

'सुरजीत हॉकी स्टेडियम में टूर्नामेंट की शुरुआत'

जालंधर – बलटन पार्क स्थित ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में राज्यसभा सदस्य और पर्यावरण प्रेमी संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने 19वें बलवंत सिंह कपूर यादगारी हॉकी टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मुकाबले की शुरुआत संत सीचेवाल ने गेंद को हिट करके की। मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार साझा करते हुए उन्हा. ने कहा कि वह खुद हॉकी के सबसे बड़े प्रशंसक हैं और उन्होंने खुद भी इस खेल को खेला है। कपूर परिवार द्वारा हर साल राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले इस टूर्नामेंट की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि 19 वर्षों से लगातार इस टूर्नामेंट का आयोजन करना किसी सफलता से कम नहीं है।

राज्यसभा सदस्य संत सी.

चेवाल ने भारतीय हॉकी के सुनहरे दौर को याद करते हुए कहा कि जब केवल घास के मैदानों पर हॉकी मुकाबले होते थे, तब भारतीय हॉकी टीम लगातार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीत रही थी। वह दौर भी था जब हॉकी टीम में आठ खिलाड़ी पंजाब के ग्रामीण इलाकों से होते थे। संत सीचेवाल ने कहा कि आज भी ग्रामीण इलाकों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है, क्योंकि इन क्षेत्रों से बेहतरीन खिलाड़ी निकल सकते हैं।